INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-159 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 4 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

भाजपा में सर्वे की सुरसुरी, कई विधायकों की नींद उड़ी

यूनिक समय, मथुरा। यूपी में भाजपा के सर्वे से विधायकों की चिंता बढ़ गई है। आगरा मंडल में एजेंसी से कराए सर्वे में जनता से मनमाफिक संकेत नहीं मिले हैं। असंतुष्टि से संभावित नुकसान बचाने के लिए टिकट बदलने का सुझाव दिया गया है। आगरा मंडल में चुनाव के मद्देनजर भाजपा द्वारा कराए जा रहे सर्वे के संकेतों ने मंडल में पार्टी विधायकों के कान खड़े कर दिए हैं। इसकी वजह सर्वे में भाजपा विधायकों के प्रति लोगों में नाराजगी की बात सामने आई है। एंटी इनकंबेंसी (सत्ता विरोधी लहर) से बचने के लिए सर्वे एजेंसी ने टिकट बदलने के सुझाव दिए हैं। फिलहाल मौजूदा समय में मंडल में भाजपा के 17 विधायक हैं।

2027 के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के चयन को लेकर भाजपा एजेंसियों के जरिये सर्वे करा रही है। अभी तक तीन सर्वे हो चुके हैं। सर्वे के यह चरण प्रदेश भर में चले हैं। अगस्त–सितंबर में चौथा सर्वे होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, तीनों सर्वे की रिपोर्ट में एक बात कॉमन रही है। वह यह कि भाजपा विधायकों के प्रति लोगों में नाराजगी है, जो पार्टी के लिए चिंता का विषय है। आगरा मंडल में कुल 22 विधानसभा सीटें हैं। आगरा मंडल में शामिल आगरा, फिरोजाबाद, मैनपुरी और एटा में 22 सीटों में से भाजपा के 17 विधायक हैं। यानी आगरा मंडल में भाजपा का दबदबा सबसे ज्यादा आगरा और एटा जिलों में है, जबकि फिरोजाबाद और मैनपुरी में समाजवादी पार्टी की भी मजबूत मौजूदगी है।

एजेंसी ने दिए कई विधायकों के टिकट बदलाव के सुझाव नहीं मिले मनमाफिक संकेत

मथुरा में कट सकते हैं आगामी चुनाव में तीन विधायकों के टिकट, बढ़ने लगी धुकधुकी

लोगों की नाराजगी को देखते हुए सर्वे करने वाली एजेंसी ने 45 फीसदी विधायकों को बदलने, यानी नया उम्मीदवार लाने का सुझाव भी दिया है। इस सर्वे ने मंडल के भाजपा विधायकों के बीच चिंता बढ़ा दी है। इसका कारण वह चर्चा है कि जिसमें कहा जा रहा है कि 45 फीसदी विधायकों में कुछ नाम आगरा मंडल से हैं। इसे लेकर भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच हलचल बढ़ गई है। हालांकि इस बारे में पार्टी के पदाधिकारी खुलकर बोलने से बच रहे हैं। पदाधिकारियों का कहना है कि पार्टी स्तर से सर्वे होते रहते हैं। अभी विधानसभा चुनाव को लेकर आवेदन नहीं लिए जा रहे हैं। फिलहाल पार्टी का फोकस एमएलसी चुनाव पर है। जानकारों का दावा है कि मथुरा से भी तीन विधायकों के टिकट इस बार कट सकते हैं।

अधिकमास के चलते फीका पड़ा मुड़िया मेला

मेले में फिसली रोडवेज की कमाई

यूनिक समय, मथुरा। मुडिया पूर्णिमा मेले पर इस बार अधिक मास का असर दिखा है। इस वर्ष श्रद्धालुओं की भीड़ तो उमड़ी, लेकिन रोडवेज बसों का सफर पिछले साल जैसा नहीं रहा। बसों की संख्या लगभग समान रहने के बावजूद भी यात्रियों की संख्या में काफी कमी आई है। इसी वजह से उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के राजस्व पर सीधा असर पड़ा।

विभागीय आंकड़ों के अनुसार, इस बार रोडवेज को पिछले वर्ष की तुलना में करीब 67 लाख रुपये कम आय हुई, जबकि पिछले साल की अपेक्षा इस साल 81.625 श्रद्धालु कम आए है। रोडवेज की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2025 के मुडिया पूर्णिमा मेले में 1,058 बसों का संचालन हुआ था, इन बसों ने 14,613 फेरे लगाते हुए 12,17,325 किलोमीटर की दूरी तय की। इस दौरान निगम को 4 करोड़ 77 लाख 55 हजार 113 रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ और 6 लाख 47 हजार 702 श्रद्धालुओं ने रोडवेज बसों से यात्रा की।

वहीं, इस वर्ष 24 से 30 जुलाई तक चले मुड़िया मेले में बीते साल से दो अधिक बसें चलाई, जिनकी संख्या 1,060 रही। इन 1,060 बसों ने 14,342 फेरे लगाए और 11,24,919 किलोमीटर की दूरी नापी, इसके बावजूद निगम को केवल 4 करोड़ 10 लाख 59 हजार 146 रुपये का राजस्व मिला। बसों से यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या घटकर 5 लाख 66 हजार 17 रह गई।

मेले में इस बार 81,685 श्रद्धालु कम रोडवेज बसों में सफर करते दिखाई दिए। वहीं, राजस्व में 66 लाख 95 हजार 967 रुपये की कमी दर्ज की गई। बसों के फेरों और कुल किलोमीटर संचालन में भी गिरावट रही। पूरे मेले के दौरान रोडवेज ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष संचालन योजना लागू की।

प्रमुख मार्गों पर अतिरिक्त बसें लगाई गईं, डिपो स्तर पर अधिकारियों की तैनाती की गई और यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार निगरानी रखी गई। इसके बावजूद अपेक्षित संख्या में यात्री नहीं मिलने से आय में कमी हुई। मुडिया पूर्णिमा मेला हर वर्ष रोडवेज के लिए सबसे बड़े राजस्व देने वाले आयोजनों में शामिल माना जाता है।

बीते साल से इस बार 81 हजार से ज्यादा श्रद्धालु हुए कम

बसों की संख्या बढ़ी लेकिन यात्रियों का घटा रुझान

रोडवेज निगम को करीब 67 लाख रुपये का कम मिला राजस्व

क्षेत्रीय प्रबंधक बीपी अग्रवाल के अनुसार, इस बार मुड़िया मेला रोडवेज के लिए लाभ देने वाला नहीं रहा। शायद अधिकमास का असर माना जा सकता है। इस बार बसें ज्यादा होने के बाद आय नहीं बढ़ सकी। इस बार मुड़िया परिक्रमा में कम श्रद्धालु आए, जो बसों से चले।

राया में फल विक्रेताओं के बीच मारपीट, दो हिरासत में

यूनिक समय, मथुरा। कस्बा राया के सादाबाद रोड पर मंगलवार दोपहर फल विक्रेताओं के दो गुटों के बीच मामूली विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया।

दोनों पक्षों के लोगों के बीच सड़क पर जमकर लात–घूंसे चले, जिससे आसपास अफरा–तफरी मच गई और राहगीरों की भीड़ एकत्र हो गई। घटना के कारण कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही थाना राया पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मारपीट में शामिल दो लोगों को हिरासत में लेकर थाने भेज दिया, जबकि अन्य लोगों की पहचान की जा रही है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों पक्ष खुलेआम एक–दूसरे से मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। पुलिस वायरल वीडियो की जांच कर रही है और उसमें दिखाई देने वाले अन्य आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जाएगी।

भ्रामक दावों पर एफएसएसएआई ने की कड़ी कार्रवाई

एफएसएसएआई ने डाबर के कई उत्पादों पर लगाई रोक

यूनिक समय, मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने डाबर इंडिया के कई खाद्य उत्पादों की बिक्री और प्रचार पर रोक लगा दी है। कार्रवाई उन उत्पादों पर की गई है जिन पर कंपनी ने '100% शुद्ध', '100% प्राकृतिक', '100% प्योरिटी गारंटीड' और '100% ऑर्गेनिक' जैसे दावे किए थे। एफएसएसएआई ने इन दावों को भ्रामक बताते हुए कंपनी से 15 दिनों के भीतर अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। यदि निर्धारित समय में संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया तो आगे की नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है।

एफएसएसएआई के अनुसार जांच में पाया गया कि कंपनी की वेबसाइट और कुछ उत्पादों के लेबल पर ऐसे दावे किए गए हैं, जिनका पर्याप्त वैज्ञानिक आधार उपलब्ध नहीं है। प्रभावित उत्पादों में शहद, गाय का घी, नारियल दूध, एप्पल साइडर विनेगर और अन्य खाद्य सामग्री शामिल हैं। नियामक संस्था का

कहना है कि फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एडवरटाइजिंग एंड क्लेम्स) रेगुलेशंस, 2018 के तहत बिना प्रमाण के '100 प्रतिशत' जैसे दावे करना उपभोक्ताओं को गुमराह करने की श्रेणी में आता है।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ उत्पादों पर वैध अनुमति के बिना 'जैविक भारत' लोगो का इस्तेमाल किया गया। वहीं, मिश्रित खाद्य पदार्थों पर भी '100% प्योरिटी' जैसे दावे किए गए, जबकि नियमों के अनुसार ऐसे उत्पादों पर इस तरह का दावा स्वीकार्य नहीं है।

पंद्रह दिनों में डाबर से मांगी विस्तृत अनुपालन रिपोर्ट

एफएसएसएआई ने स्पष्ट किया कि इससे पहले भी कंपनी को ऐसे दावे हटाने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन आवश्यक बदलाव नहीं किए गए। इसी कारण प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करना पड़ा। नियामक ने कहा कि खाद्य उत्पादों पर किया गया प्रत्येक दावा सत्य, स्पष्ट और वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित होना चाहिए। भ्रामक विज्ञापन या लेबल पाए जाने पर नोटिस, लेबल में बदलाव, बिक्री पर रोक और अन्य कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

एफएसएसएआई ने उपभोक्ताओं से भी अपील की है कि वे खाद्य उत्पाद खरीदते समय केवल प्रचारात्मक दावों के बजाय लेबल, प्रमाणन और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें।

कांशीराम कॉलोनी बदहाल पात्रों की जगह अपात्रों का कब्जा

वृंदावन स्थित कांशीराम आवासीय कॉलोनी के मकानों की हालात का नजारा। टाउनशिप स्थित कांशीराम आवासीय कॉलोनी, जिसके आवासों का प्लास्टर उखड़ गया है।

यूनिक समय टीम, मथुरा। मायावती सरकार के कार्यकाल में गरीबों के रहने के लिए कांशीराम आवासीय कालोनी बनीं थीं। इन कॉलोनियों में आवास उन लोगों को दिए जाने का प्रस्ताव था, जिनके पास मकान न हो, लेकिन कॉलोनी के मकानों को कई ऐसे पा गए, जिनको मकान मिलने नहीं चाहिए थे। कई मकानों पर लगे एसी और बाहर खड़ी कारें संपन्नता की गवाही दे रहे हैं।

मथुरा टाउनशिप क्षेत्र में बनी कांशीराम आवासीय कॉलोनी की बदहाली अब किसी से छिपी नहीं है। साल 2006 में गरीबों के लिए बनी आवासीय योजना के मकान रखरखाव के अभाव में दीवारों से प्लास्टर झड रहा है। हमेशा हादसे की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई आवासों में पात्र लाभार्थियों के बजाय किरायेदार रह रहे हैं। आरोप है

मकानों में रहने वाले हैं भयभीत, हमेशा मंडराता रहता है मौत का साया

कि कुछ लोगों ने आवास अपने नाम कराकर उन्हें किराए पर दे दिया है। यहां रहने वाले कई लोगों ने बताया कि कई परिवार अपने मकान बन जाने के बाद यहां से जा चुके हैं, जबकि कुछ लोग भवनों की जर्जर स्थिति से भयभीत होकर कॉलोनी छोड़ चुके हैं। जो परिवार अभी भी यहां रह रहे हैं, वे हर बारिश में डर के साये में जीवन बिताने को मजबूर हैं। स्थानीय निवासी बबलू सिंह ने बताया कि बरसात के मौसम में मकान गिरने का डर सबसे अधिक रहता है। समुद्र सिंह का कहना है कि बरसात के दिनों में रात की नींद उड़ जाती है। हर समय यह डर बना रहता है कि कहीं कोई हादसा न हो जाए।

वृंदावन स्थित कांशीराम आवासीय कॉलोनी में इस समय कोई पहली बार जाएगा तो मकानों की हालात देखकर ही हैरान रह जाएगा। यहां रहने वाले लोग एक नहीं, कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। मकान इतने जर्जर हो चुके हैं कि उनमें रहने वाले लोगों पर मौत का साया मंडराता रहता है। भारी बारिश में किसी की छत या मकान भरभरा कर गिर पड़ा तो बड़ा होने से इंकार नहीं किया जा सकता है। यहां कई कमरों में लगे एसी भी इस बात की गवाह दे रहे हैं, यहां निर्बल वर्ग के लोग नहीं बल्कि धनाढ्य लोग रह रहे हैं। मकानों से सरिया भी बाहर निकल आई है। एक –दो लोगों ने तो नई दीवार खड़ी करा ली है।

अपराधियों की शरणस्थली है कॉलोनी

यूनिक समय, मथुरा। काशीराम आवासीय कॉलोनी मथुरा की हो या वृंदावन। इन दोनों कॉलोनियों में पुलिस ने कई बार छापेमारी कर अपराधियों को भी दबोचा है। इससे यह साबित होता है कि अपराधी यहां आकर छिपते हैं। यहां रहने वालों को यह पता ही नहीं चलता कि उनके पड़ोस में कौन रह रहा है और कहां का है।

वृंदावन में संतों का अभिनंदन

यूनिक समय, वृंदावन। फोगला आश्रम में श्री गंगादास कृपाशंकर सेवा संस्थान के सानिध्य में अग्र मलूका पीठाधीश्वर स्वामी राजेन्द्र देवाचार्य की अध्यक्षता में साकेत वासी कृपा शंकर रामायणी की 18 भी पुण्यतिथि मनाई गई। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के नव स्थापित धार्मिक समिति में सदस्य के रूप में मनोनीत किए गए अयोध्या विभूति मणिराम छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास शास्त्री, जगतगुरु रामानंद, आचार्य मिथिलेश नंदन, स्वामी राजकुमार दास का अभिनंदन किया गया। संयोजक श्रीमद्जगतगुरु पीठाधीश्वर बलराम देवाचार्य थे। संचालन आचार्य मृदुलकान्त शास्त्री ने किया। कार्यक्रम में धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश, महंत मोहिनी बिहारी शरण, डा.मनोज मोहन शास्त्री, नेत्रपाल शास्त्री, वीतराग संत गोविन्दानंद तीर्थ, स्वामी ज्ञानानंद, स्वामी अतुल कृष्ण दास और डा.आदित्यानंद आदि उपस्थित थे।

विद्यालयों में संस्कार शिक्षा अभियान चलाएगी संस्कार भारती

कलागुरु सम्मान समारोह में कलाकार को सम्मानित करते आयोजक।

लोकनाट्य और भारतीय संस्कृति संरक्षण के लिए सम्मानित हुए कलाकार

यूनिक समय, हाथरस। संस्कार भारती द्वारा आयोजित कलागुरु सम्मान समारोह में अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त लोकनाट्य विशेषज्ञ आचार्य डॉ. खेमचन्द शास्त्री ने कहा कि अब संगठन विद्यालय स्तर पर जाकर बच्चों को भारतीय संस्कृति, कला और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का अभियान चलाएगा।

उन्होंने कहा कि संस्कारयुक्त शिक्षा से नई पीढ़ी भारतीय परंपराओं को अपनाते हुए पं. नथाराम गौड़ और काका हाथरसी जैसी महान विभूतियों के आदर्शों पर चल सकेगी और हाथरस का नाम देश–विदेश में और अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचाएगी। उन्होंने कहा कि बच्चों में बचपन से ही सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों का विकास समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी हेमेन्द्र शर्मा ने की, जबकि अतिथि के रूप में प्रांतीय कला संयोजक पं. कुंवर पाल भंवर उपस्थित रहे। शुभारंभ मां भारती की वंदना से हुआ। स्वागत भाषण जीवनलाल शर्मा ने दिया, जबकि जिलाध्यक्ष चैतन्य प्रकाश ने जिले में संस्कार भारती की गतिविधियों की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक लोगों से संगठन से जुड़ने का आह्वान किया। समारोह में संस्कृति विभाग के प्रशिक्षक- हाथरसी लोकनाट्य सांगीत को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले आचार्य डॉ. खेमचन्द शास्त्री को 'हाथरसी पद्मश्री कला–गुरु सम्मान–2026' से सम्मानित किया गया। सेंट आरएच कॉन्वेंट स्कूल के महाप्रबंधक एडवोकेट अजय किशोर गौड़ को 'कला–साधक सम्मान–2026' प्रदान किया गया। अतिथि कुंवर पाल भंवर ने कहा कि डॉ. शास्त्री ने सरकारी सेवा छोड़कर भारतीय लोकनाट्य परंपरा के संरक्षण को अपना जीवन समर्पित किया और 19 देशों में हाथरसी सांगीत की पहचान स्थापित की। कार्यक्रम में डॉ. सुनीता उपाध्याय, सोनाली रतन, लोकेश कुमार, मुकेश शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, पूरन सागर, जयवीर सिंह और आदित्य कुमार सहित अनेक लोगों का सहयोग रहा। संयोजक जीवनलाल शर्मा ने आभार जताया।

मसालों की महंगाई ने बिगाड़ा रसोई का बजट

हल्दी और लाल मिर्च के दाम बढ़ने से रसोई पर बढ़ा बोझ

धनिया दोगुना महंगा,दाल, चीनी और चावल भी महंगे

यूनिक समय, मथुरा। रसोई का स्वाद बढ़ाने वाले मसालों की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोतरी ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। धनिया, हल्दी और लाल मिर्च के दामों में आए उछाल का सीधा असर घरेलू बजट पर पड़ रहा है। पहले जहां लोग जरूरत के अनुसार खुले हाथ से मसाले खरीदते थे, अब बढ़ती कीमतों के कारण खरीदारी सीमित करनी पड़ रही है। किराना कारोबारियों का कहना है कि मसालों की महंगाई के चलते बिक्री भी प्रभावित हुई है।

बाजार में कुछ महीने पहले तक करीब 100 रुपये प्रति किलो बिकने वाला सूखा धनिया अब 180 से 210 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। इसी तरह हल्दी, जो पहले 140 रुपये किलो मिल रही थी, अब लगभग 190 रुपये प्रति किलो बिक रही है। गोल हल्दी की कीमत भी 180 रुपये प्रति किलो तक पहुंच चुकी है। जिले में सबसे अधिक पसंद की जाने वाली लाल मिर्च का भाव भी 190 रुपये से बढ़कर 240 रुपये प्रति किलो हो गया है। मसालों की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण घरों के साथ होटल और छोटे खाद्य व्यवसायों की लागत भी बढ़ गई है।

मसालों के साथ–साथ अन्य जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भी तेजी देखने को मिल रही है। काली उड़द दाल, जिसका उपयोग दाल के अलावा चाट और अन्य व्यंजनों में होता है, 80 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। चीनी, जो लंबे समय तक 40 से 45 रुपये प्रति किलो बिक रही थी, अब 50 रुपये प्रति किलो मिल रही है। वहीं चावल की कीमतों में भी पांच से दस रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

कोतवाली रोड के किराना व्यापारी गौरव अग्रवाल के अनुसार, इस वर्ष खराब मौसम, बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि के कारण धनिया की लगभग 50 प्रतिशत फसल प्रभावित हुई। उत्पादन कम होने से बाजार में आपूर्ति घटी और कीमतों में तेजी आ गई। उन्होंने बताया कि बढ़ती महंगाई के कारण ग्राहक पहले की तुलना में कम मात्रा में मसाले खरीद रहे हैं। जो लोग पहले एक किलो धनिया लेते थे, वे अब आधा किलो खरीदकर ही काम चला रहे हैं। व्यापारियों का मानना है कि यदि नई आवक जल्द नहीं बढ़ी तो मसालों की कीमतों में फिलहाल राहत मिलने की संभावना कम है।

संविदा कर्मचारी की करंट लगने से मौत, मचा कोहराम

जिला अस्पताल के पीछे शव ग्रह पर मौजूद दीपक के परिजन और अन्य साथी।

शटडाउन लेकर कर रहा था काम, लाइन हो गई चालू

यूनिक समय, मथुरा। विद्युत विभाग में संविदा पर काम करने वाला एक कर्मचारी मंगलवार प्रातः तहसील के सामने लाइन पर काम करने के दौरान करंट लगने से नीचे गिर कर गंभीर घायल हो गया। आगरा ले जाने के दौरान कर्मचारी की रास्ते में उसकी मौत हो गई। कर्मचारी के परिवार में कोहराम मच गया।

मृतक दीपक का फाइल फोटो।

थाना सदर बाजार के औरंगाबाद की अंजली बिहार कालोनी में रहने वाला युवक दीपक (22) पुत्र स्वर्गीय मोहन सिंह विद्युत विभाग में संविदा पर नौकरी कर रहा था। बताया गया कि आज प्रातः हाईटेंशन लाइन में आई खराबी को ठीक करने के लिए तहसील के सामने पहुंचा। दीपक ने चालू लाइन को बंद करने के लिए शटडाउन लिया। शटडाउन मिलने के बाद दीपक लाइन में आई खराबी को ठीक करने के लिए पोल पर चढ़ा ही था कि उसे बिजली का तेज करंट लगा और वह जमीन पर आ गिरा। दीपक के गिरते ही उसके साथियों में हड़कंप मच गया। कर्मचारियों ने दीपक के साथ हुई घटना के बारे में विद्युत अधिकारियों को भी सूचना दी। कुछ ही देर में विभागीय कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। गंभीर घायल दीपक को जिला अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसकी चिंताजनक हालत को देखते हुए आगरा के लिए रैफर कर दिया। बताया गया कि आगरा ले जाने के दौरान एम्बुलेंस में उसने दम तोड़ दिया। दीपक की मौत का पता लगने पर उसके परिवार में कोहराम मच गया। बताया गया कि दीपक शटडाउन लेकर काम कर रहा था। आरोप है कि शटडाउन दिए जाने के बाद लाइन में विद्युत आपूर्ति चालू कैसे हो गई। लगता है कि शटडाउन देने वाले कर्मचारी की लापरवाही के चलते दीपक के साथ दुर्घटना हो गई। बताया गया कि युवक के शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार

यूनिक समय, मथुरा। राजीव भवन विद्युत उपकेंद्र पर तैनात संविदा कर्मचारी दीपक की मंगलवार को करंट लगने से मौत हो गई। बताया गया कि वह 33 केवी लाइन पर कार्य कर रहा था। इसी दौरान हादसा हो गया, जिससे मृत्यु हो गई। घटना के बाद विभाग के कर्मचारियों में भारी आक्रोश फैल गया। कर्मचारियों का आरोप है कि हादसे के बाद विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों ने अपेक्षित संवेदनशीलता नहीं दिखाई। उनका यह भी कहना है कि जब कर्मचारी अपनी बात रखने के लिए मुख्य अभियंता से मिलने पहुंचे तो उन्होंने मिलने से इन्कार कर दिया। इससे नाराज होकर जनपद के बिजली कर्मचारियों ने कैंट विद्युत उपकेंद्र पर कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने विरोध स्वरूप काम बंद कर दिया, जिससे कई स्थानों पर विद्युत कार्य प्रभावित होने की संभावना जताई जा रही है।

विभागीय कर्मचारियों की लापरवाही से होती है ऐसी दुर्घटना

यूनिक समय, मथुरा। लाइन पर काम करने के दौरान शटडाउन लेने के बाद भी बिजली की आपूर्ति चालू कर दिए जाने के कारण विभाग में कई कर्मचारियों की काम के दौरान करंट लगने से मौत हो चुकी है। इसके बाद भी अधिकारियों द्वारा ऐसे हादसे रोकने पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

विद्युत विभाग में लाइन पर काम करने के दौरान विभागीय कर्मचारियों की लापरवाही के चलते कई विद्युत कर्मचारियों की जान जा चुकी है। इसके बाद भी विभागीय अधिकारियों द्वारा ऐसी लापरवाहियों पर अंकुश नहीं लगाया जा रहा है। विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि लाइन में आए फॉल्ट को ठीक करने के लिए जेई द्वारा कर्मचारियों को फॉल्ट को तो ठीक करने के लिए भेज दिया जाता है।

कर्मचारियों के कार्य पर जाने के बाद शटडाउन पर निगरानी क्यों नहीं रखी जाती है। वहां मौजूद कर्मचारी

शटडाउन दिए जाने के बाद कैसे चालू कर दी जाती है लाइन

अधिकारी भी इस तरह की घटनाओं को रोकने पर नहीं हैं गंभीर

इस बात का ध्यान नहीं रखते है और बिना जाने ही बंद विद्युत आपूर्ति को चालू कर देते हैं, जिसके चलते लाइन पर काम करने वाले कर्मचारी को करंट लगने से जान चली जाती है। अधिकारी इसके बाद घटना की जांच के नाम पर खानापूरी करते हैं। मृत कर्मचारी के परिवार को थोड़ी बहुत आर्थिक सहायता देकर मामले को ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। विभाग में होने वाले इस तरह के मामलों पर अधिकारियों को गंभीरता से मनन कर भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोका जा सकता है।

धोखाधड़ी करने वाले दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। मांट पुलिस ने धोखाधड़ी करने के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त रामबाबू निवासी गांव चिंतापुर पोस्ट सौंखना थाना हाथरस गेट जनपद हाथरस को काली मंदिर चिंतापुर थाना हाथरस गेट से और सुमित राज सिंह निवासी मांट राजा को टैंटीगांव के समीप से गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने मीट विक्रेता को पकड़ा, दबाव में छोड़ा

यूनिक समय,कोसीकलां। सावन माह के प्रत्येक सोमवार को नगर पालिका द्वारा सभी मीट–मुर्गा की दुकानें बंद रखने के दिए गए आदेश के बावजूद कई दुकानदार बाज नहीं आ रहे हैं। निकासा क्षेत्र में पुलिस ने एक मीट विक्रेता को मीट की बिक्री करते हुए पकड़ लिया, लेकिन दबाव के बाद दो घंटे बाद उसे थाने से छोड़ दिया गया।

नगर पालिका द्वारा सावन में सोमवार को मुर्गा, मीट की दुकानों को बंद करने के दिए गए आदेश के बाद भी सोमवार को निकासा में एक मीट विक्रेता चोरी छिपे दुकान खोलकर मीट की बिक्री कर रहा था। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आरोपी को हिरासत में ले लिया। दो घंटे हिरासत में रखकर दबाव के चलते चेतावनी देकर छोड़ दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से मीट विक्रेताओं में हड़कंप मच गया। विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड मंत्री महेशपाल का आरोप है कि पुलिस ने पहले दिखावे के लिए कार्रवाई की और फिर दबाव में आकर आरोपी को छोड़ दिया। अगर आदेश का उल्लंघन हुआ है तो कार्रवाई क्यों नहीं हुई।

17 अगस्त को निकलेगी 11वीं आशेश्वर महादेव पदयात्रा

यूनिक समय, कोसीकलां। श्रावण मास के तृतीय सोमवार को नगर से ग्यारहवीं आशेश्वर महादेव पदयात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष पदयात्रा समिति द्वारा देवप्रयाग–ऋषिकेश के पवित्र संगम स्थल से लाए गए 1100 गंगाजल पात्रों का निःशुल्क वितरण भी किया जाएगा। यह जानकारी पदयात्रा समिति के संयोजक विष्णु ने दी है। पवित्र गंगाजल पात्रों का

1100 भक्तों को मिलेंगे निःशुल्क गंगाजल पात्र

वितरण पदयात्रा से एक दिन पूर्व 16 अगस्त, रविवार को किया जाएगा। भक्तजन अपना कार्ड जमा कर सत्यम विद्या मंदिर विद्यालय परिसर, शालीमार रोड से या जिन सदस्यों से उन्होंने कार्ड प्राप्त किया है, उनसे गंगाजल पात्र ले सकते हैं।

प्राचीन हरि कीर्तन मंदिर में हुई चोरी पर ग्रामीणों में आक्रोश

यूनिक समय, कोसीकलां। गांव बरहाना के प्राचीन हरि कीर्तन मंदिर में रविवार देर रात अज्ञात चोरों ने मंदिर के ताले तोड़कर ठाकुरजी के सोने–चांदी के आभूषण, करीब 50 हजार रुपये नकद और गुल्लक चोरी कर ली थी। मंदिर में हुई चोरी की वारदात का पुलिस दो दिन बाद भी खुलासा नहीं कर सकी है। मंदिर में हुई चोरी का खुलासा न होने पर ग्रामीणों में आक्रोश है।

प्राचीन मंदिर में हुई चोरी की वारदात का पता मंदिर के सेवायत पतोनी दास का लगा। उन्होंने सोमवार सुबह ताले टूटे देखे तो तुरंत ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की बात कही थी, लेकिन 48 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी पुलिस अब तक चोरी करने वालों का कोई सुराग नहीं लगा सकी है। चोरों की गिरफ्तारी न किए जाने से और मंदिर से चोरी गए सामान को बरामद ना करने को लेकर ग्रामीणों

दो दिन बाद भी पुलिस को नहीं मिला कोई सुराग

और हिंदू संगठनों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में रात के समय पुलिस गश्त नदारद रहती है। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने घटना को अंजाम दिया। भाजपा नेता रघुवर सिंह तोमर ने कहा कि पुलिस तुरंत प्रभावी कार्रवाई करे। दो दिन बीत जाने के बाद भी घटना का खुलासा न होना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। यदि जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे।

इस संबंध में थाना प्रभारी कमलेश सिंह ने बताया कि आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घर के बाहर खड़ी बाइक चोरी

यूनिक समय,कोसीकलां। नगर की कृष्ण विहार कॉलोनी में चोरों ने रात में घर के बाहर खड़ी टीवीएस स्पोर्ट बाइक चोरी कर ले गए। पीड़ित ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कृष्ण विहार कॉलोनी निवासी सोनू ने बताया कि उन्होंने अपनी काले रंग की टीवीएस स्पोर्ट बाइक को सोमवार की रात रोजाना की तरह घर के बाहर खड़ा किया था। सुबह जब वे सोकर उठे तो घर के बाहर खड़ी बाइक गायब मिली। बाइक को आसपास में तलाश किया गया, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। सोनू ने बाइक चोरी होने की तहरीर थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ दी है। बाइक चोरी की घटना से कॉलोनी में रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल है।

विभागीय अनदेखी से यमुना पुल की हो रही है दुर्दशा

शहर में यमुना पर बने सबसे पुराने पुल पर पसरी गंदगी और सामने नजर आ रहे पशु।

पुल की सड़क पर लग रहा है गंदगी का अंबार टूट रही है रैलिंग

अंधेरा होते ही लग जाता है असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

यूनिक समय, मथुरा। शहर में यमुना नदी पर बना सबसे पुराना पुल इन दिनों अपनी बदहाली पर सिसक रहा है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की लापरवाही के चलते जर्जर होने के साथ–साथ पुल की सड़क अब गंदगी से अटने लगी है। यमुना पर बने नए पुल के चालू होने के बाद इससे इक्का- दुक्का दुपिहया वाहन ही गुजरते दिखाई देते हैं।

पीडब्ल्यूडी विभाग ने नए पुल के निर्माण के बाद इस पुराने पुल से हल्के वाहनों को गुजारने का सरकार को प्रस्ताव दिया था। इसके लिए उस समय पुराने पुल की मरम्मत के लिए बजट भी आया था, लेकिन विभागीय अधिकारियों द्वारा इसकी मरम्मत की ओर ध्यान नहीं दिया गया। इसके बाद से पुराने पुल से वाहनों का आवागमन बंद हो गया। अब इस पर अब केवल इक्का–दुक्का दो पहिया वाहन ही गुजरते हैं।

विभाग की लापरवाही के कारण सड़क पर गंदगी का अम्बार लगा हुआ है। अब इस पर बंदरों का कब्जा हो गया है।

इसकी वजह है कि प्रातः यमुना जी के दर्शन और टहलने के लिए आने वाले लोग पुल पर बंदरों और यमुना में मछलियों को चारा डालते हैं। अब पुल वाहनों के चलने के स्थान पर पशुओं को लाने ले जाने का साधन बन गया है। यमुना की ओर लगी पुल की रैलिंग जगह–जगह से टूट रही है। पुल की लाइटें खराब होने की वजह से अंधेरा होते ही पुल पर असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगना शुरू हो जाता है। पुल की लावारिस स्थिति का फायदा भी लोगों ने उठाना शुरू कर दिया है। पुल की जमीन पर लोगों ने स्थाई दुकानें बनाकर व्यवसायिक गतिविधियां शुरू कर रखी हैं।

शादी कर साथ रहने पर अड़ीं दो युवतियां

परिजनों पर मारपीट और प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

यूनिक समय, वृंदावन। मथुरा गेट पुलिस क्षेत्र की एक कॉलोनी में दो युवतियों की गहरी दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने आपस में शादी करने का दावा करते हुए पति–पत्नी के रूप में जीवन भर साथ रहने का फैसला किया है। युवतियों ने शादी से नाराज परिजनों पर मारपीट और प्रताड़ना का आरोप लगा है। उन्होंने पुलिस को तहरीर देकर सुरक्षा की गुहार लगाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर के एक मंदिर में आपस में शादी करने का दावा करने वाली युवतियों ने रविवार को थाने पहुंच कर परिजनों पर परेशान करने के आरोप लगाया। पुलिस को तहरीर देकर अपने पिता और बहन पर मारपीट करने की बात भी कही। युवती ने बताया कि वह और राजस्थान की रहने वाली लड़की एक–दूसरे से प्यार करती हैं, और आपस में शादी कर अपने पिता के घर में साथ रह रही हैं। आरोप है कि इस रिश्ते से नाराज परिजन आए दिन उनसे रंजिश रखते हैं। रविवार दोपहर करीब एक बजे जब वे घर पर थीं, तो पिता ने उनसे बिजली का बिल जमा करने को कहा। पैसे न होने की बात पर विवाद शुरू हो गया।

युवती ने पिता व बहन पर गाली–गलौज करते हुए मारपीट करने के आरोप लगाए। पीड़ितों का कहना है कि परिजन उन्हें जान से मारने और बेदखल करने की धमकियां दे रहे हैं। पुलिस ने बताया कि युवतियां आपस मे शादी करने का दावा कर रही हैं, लेकिन इनके पास शादी के कोई वैध दस्तावेज नहीं हैं, राजस्थान की युवती के परिजनों को सूचना दे दी है, एक लड़की के परिजन फोन रिसीव नही कर रहे। वृंदावन घूमने के दौरान दोनों में नजदीकी बढ़ी थीं। युवती के परिजनों के आने पर पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

हरे हिंडोले में विराजमान हुए द्वारकाधीश श्रद्धालु हो गए भाव- विभोर

हरे हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देते ठाकुर द्वारकाधीश।

यूनिक समय, मथुरा। श्रावण मास के छठवें दिन पुष्टिमार्गीय परंपरा के अनुसार ठाकुर द्वारकाधीश हरे हिंडोले में विराजमान हुए। श्रद्धालुओं ने राजाधिराज के मनोहारी स्वरूप के दर्शन कर पुण्य लाभ प्राप्त किया।

मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी उत्सव-धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के निर्देशन में किए जाते है। इसी परंपरा के तहत श्रावण मास के छठवें दिन ठाकुर को आकर्षक हरे हिंडोले में विराजमान कराया गया। पुष्टिमार्गीय परंपरा में सावन के दौरान ठाकुर को विभिन्न रंगों की घटाओं और सुंदर हिंडोलों में विराजमान कर उनका विशेष श्रृंगार किया जाता है। यह परंपरा ठाकुर जी के प्रति प्रेम और वात्सल्य भाव का प्रतीक मानी जाती है। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन अलग–अलग रंगों के हिंडोलों में बैठकर ठाकुर द्वारकाधीश लाल हिंडोले में विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे।

जड़ी–बूटी दिवस के रूप में मनाया बालकृष्ण का जन्मदिन

कोसीकलां के गांधी पार्क में औषधीय पौधों का वितरण करते भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी डॉ. अमर सिंह पौनियां।

यूनिक समय, कोसीकलां। भारत स्वाभिमान ट्रस्ट इकाई द्वारा सोमवार को पुराना जीटी रोड स्थित गांधी पार्क में आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिन को जड़ी–बूटी दिवस के रूप में मनाया गया।

इस मौके पर भारत स्वाभिमान ट्रस्ट के जिला प्रभारी डॉ. अमर सिंह पौनिया ने क्षेत्रवासियों को औषधीय पौधों के गुणों के बारे में अवगत कराया। औषधीय पौधों का निःशुल्क वितरण किया। उन्होंने कहा कि हम सेवाधर्म और सखाधर्म दोनों एक साथ निभा रहे हैं। श्रद्धेय आचार्य बालकृष्ण बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। उन्होंने आयुर्वेद, शिक्षा, अनुसंधान, लेखन, समाजसेवा, कृषि और सूचना प्रौद्योगिकी आदि क्षेत्रों में अभूतपूर्व कार्य किया है।

इस दौरान योग शिक्षक मंजू अग्रवाल, रेनू अग्रवाल, सविता सिंह, डा. मंजू सिंह, सुनीता मावी, सुनीता सिंह, नेहा, मीना जैन, गायत्री, बीना, कमलेश, सीमा, सीमा गुलाटी आदि मौजूद रहे।

अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रज भूषण सिंह बोले

साजिश के तहत फंसाया, अदालत से न्याय मिला

प्रमुख संवाददाता

अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रज भूषण सिंह का स्वागत करते यूपी कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय।

यूनिक समय, वृंदावन। अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रज भूषण सिंह मंगलवार दोपहर मंदिरों की नगरी पहुंचे। उन्होंने संत रितेश्वर से आशीर्वाद लिया।

गौरतलब है कि दिल्ली की राउंज एवेन्यू कोर्ट ने यौन उत्पीड़न के मामले में पूर्व अध्यक्ष ब्रज भूषण सिंह को बरी किया है। उसके बाद वह आज वाराह घाट क्षेत्र स्थित संत रितेश्वर के आश्रम आनंद लाडली धाम पहुंचे। आश्रम के सेवादारों ने तिलक लगाकर और माला पहनाकर स्वागत किया।

ब्रज भूषण सिंह ने संत रितेश्वर के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। दोनों के बीच करीब आधा घंटे तक एकांतिक वार्तालाप चली। पूर्व सांसद संत के साथ आश्रम स्थित शिव मंदिर पहुंचे।

उन्होंने मंत्रों के बीच भगवान शिव का अभिषेक किया। पत्रकारों से वार्ता करते हुए उन्होंने कहा कि न्याय पालिका पर पूर्ण विश्वास था। अदालत ने सभी आरोप खारिज कर उनको ससम्मान बरी किया। इससे पहले उन्होंने राजनीति में वापस सक्रियता निभाने पर कहा कि गोस्वामी तुलसीदास की चौपाई है, होई वही जो राम रच राखा।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि इस प्रकरण में इतना बड़ा प्रदर्शन उनके खिलाफ हुआ, उतना बड़ा प्रदर्शन दुनिया में कहीं नहीं हुआ। आरोप लगाने वाले ओलंपिक के मेडलिस्ट थे, इनके पीछे कांग्रेस खड़ी थी। इनके पीछे आम आदमी पार्टी, ममता, लेफ्ट, राइट, टुकड़ा- टुकड़ा गैंग खड़ा था। ये एक बहुत बड़ा षडयंत्र था। उन्होंने कहा कि पहले दिन कहा था कि अगर एक भी बात सत्य पाई गई तो मैं स्वत फांसी पर चढ़ जाऊंगा।

इस दौरान संत रितेश्वर ने कहा कि धर्म और सत्य के रास्ते पर चलते हुए न्याय मिला है। यह हमारे पुत्र हैं, जैसे एक पिता को खुशी होती है उसी तरह की खुशी हमको हो रही है। ये राष्ट्र और सनातन की सेवा करेंगे, यह मेरी भावना है।

इससे पहले यमुना एक्सप्रेस वे पर वृंदावन कट पर यूपी कुश्ती संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय की अगुवाई में पहलवानों ने अखिल भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष ब्रज भूषण सिंह का स्वागत किया।

रेलवे ने दी यात्रियों को बड़ी राहत

मथुरा और कोसीकलां तक दो ईएमयू ट्रेनों का विस्तार

यूनिक समय, कोसीकलां। फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल, होडल, कोसीकलां और मथुरा के हजारों रेल यात्रियों के लिए रेलवे ने बड़ी सौगात दी है। यात्रियों की सुविधा और बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने दो महत्वपूर्ण ईएमयू ट्रेनों का अस्थायी विस्तार करने का निर्णय लिया है।

रेलवे प्रशासन के अनुसार, शकूर बस्ती–पलवल – शकूर बस्ती ईएमयू (64016/64019) का संचालन अब मथुरा जंक्शन तक किया जाएगा। वहीं नई दिल्ली, पलवल– गाजियाबाद ईएमयू (64082/64051) का संचालन अब कोसीकलां तक होगा। इस विस्तार से फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल, होडल, कोसीकलां और मथुरा के दैनिक यात्रियों, छात्रों और नौकरीपेशा लोगों को सीधी सुविधा का लाभ मिलेगा।

अब इन क्षेत्रों के यात्रियों को दिल्ली–एनसीआर आने–जाने के लिए बार–बार ट्रेन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। स्थानीय यात्रियों ने इस फैसले का स्वागत करते हुए इसे जनहित में उठाया गया सराहनीय कदम बताया। यात्रियों का कहना है कि इससे समय की बचत होगी और सफर पहले से अधिक सुविधाजनक हो जाएगा। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों की मांग और भीड़ को देखते हुए यह अस्थायी विस्तार किया गया है। आगे यात्रियों की संख्या के आधार पर इसे स्थायी भी किया जा सकता है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूपेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 सत्यप्रकाश निवासी रामनगर खण्ड, तहसील महावन जिला मथुरा का निवासी है के द्वारा सुशीला पत्नी स्व0 सत्यप्रकाश से दान में प्राप्त हुए एक किता भवन सं0 55/111 पुराना व नया 000802, जिसका कुल क्षेत्रफल 41.66 वर्गमीटर है जो स्थित मौजा अब्दुलनवीपुर बंगर (यमुना ब्रज से लक्ष्मीनगर तिराहा तक), तहसील महावन जिला मथुरा, जो खसरा न0– 202क में स्थित है जो उपनिबन्धन कार्यालय मथुरा में दिनांक 23–07–2026 के क्रमांक 8441 पर दर्ज है, उक्त सम्पत्ती को सौराज सिंह द्वारा क्रय किया गया था जो उपनिबन्धन कार्यालय मांट में दिनांक 27–02–1973 के क्रमांक 268 पर दर्ज है सौराज सिंह की मृत्यु के बाद सत्यप्रकाश पुत्र सौराज सिंह बतौर वारिस मलिक हुए व सत्यप्रकाश की मृत्यु के बाद सुशीला व भूपेन्द्र कुमार बतौर वारिस मलिक हुए। अब इस सम्पत्ति पर भूपेन्द्र कुमार पुत्र स्व0 सत्यप्रकाश, PNB Housing Finance Ltd., मथुरा से ऋण प्राप्त कर रहे है। अतः यह दानपत्र दिनांकित 23–07–2026 किसी के पास है अथवा गिरवी हो अथवा कोई व्यक्ति, बैंक, संस्था इस सम्पत्ति अथवा विक्रय पत्र में हित रखता हो तो इस प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर नीचे लिखे कार्यालय में दस्तावेज सहित अधोहस्ताक्षरित सम्पर्क / सूचित करे। 7 दिन के पश्चात कोई क्लेम प्राप्त नहीं होगा।

दिनांकः– 03.08.2026 नितिन कुमार घोरले ऐडवोकेट PNB Housing Finance Ltd, मथुरा। फोन न0 9997149391

ताल-तलैया बना हाइवे का सर्विस रोड

वर्षा की वजह से टाउनशिप के सर्विस रोड पर हुए जलभराव से निकलते वाहन।

वर्षा की वजह से नए रोडवेज बस स्टैंड के समीप रेलवे के अंडरपास में जलभराव से निकलते वाहन।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को हुई वर्षा ने जलभराव नहीं होने के आश्वासनों को पानी में डुबोया तो हाइवे के सर्विस रोड ताल- तलैया बन गए। टाउनशिप से नवादा तक सर्विस रोड पर भरा पानी दो पहिया वाहन चालकों के अलावा राहगीरों को दिक्कत देता रहा। अनाज मंडी में पानी जमा दिखा, जबकि नए बस स्टैंड के समीप अंडरपास के नीचे भरा पानी दावों को आइना दिखाता रहा। नगर निगम कई स्थानों पर पानी को निकालने का काम होता करता रहा।

मंगलवार सुबह कभी हल्की तो कभी तेज वर्षा की वजह से हाईवे के सर्विस रोड और अनाज मंडी में फिर जलभराव हो गया। वर्षा की वजह से महुवन टोल प्लाजा से महोली अंडरपास तक सर्विस रोड पर भरा वर्षा का पानी राहगीर और वाहन चालकों के लिए परेशानी की वजह बना। तेजी से निकलने वाले वाहनों की वजह से दोपहिया चालक परेशान होते रहे, रिफाइनरी, टाउनशिप, नवादा के

दो पहिया चालकों और राहगीरों को हुई परेशानी

टाउनशिप से नवादा पर सबसे अधिक रही समस्या

आसपास सर्विस रोड पर भरा पानी हर किसी की परेशानी बनता रहा।

वहीं, वर्षा की वजह से नए बस स्टैंड अंडरपास के नीचे काफी जलभराव होने से दो पहिया वाहनों के पहिये थमते रहे, जबकि बस और अन्य बड़े वाहन कई फीट भरे पानी से निकलते रहे। नए बस स्टैंड पुल के काम के दौरान प्रशासन और रेलवे की ओर से जलभराव नहीं होने के दावे किए गए थे, लेकिन वह वर्षा की वजह से टिक नहीं सके। यहां जलभराव से लोग परेशान होते रहे।

वर्षा से राहत, पांच दिन का अलर्ट

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार सुबह से शुरू हुई कभी रिमझिम और कभी तेज वर्षा से मौसम सुहाना हो गया। लोगों को उमस से कुछ राहत मिली, जबकि फसलों को चिंतित किसानों के चेहरे पर कुछ राहत दिखी। पानी को तरस रही धान और बोई जा चुकी अन्य फसल को पानी का अमृत मिला।

वैसे, मौसम सोमवार रात से ही बदलाव का संकेत दे रहा था। रात में कई बार आकाशीय बिजली भी चमकी, लेकिन वर्षा नहीं हुई। रातभर आसमान पर जमे बादल मंगलवार सुबह राहत का संदेश लाकर बसरने लगे। कहीं रिमझिम तो कहीं तेज वर्षा से मौसम सुहाना हो गया। दोपहर से शाम तक बूंदाबांदी का क्रम रुक-रुककर चलता रहा। वैसे, बीच- बीच में आसमान साफ होने से हल्की धूप भी नजर आती रही, लेकिन यह अधिक समय तक नहीं टिक सकी। ऐसे मौसम से अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दिखा। अब मौसम विभाग ने जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। सात दिन के लिए जारी किए गए पूर्वानुमान में आमतौर पर बादल छाए रहने और एक-दो बार बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की बात कही गई है। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, सात दिन के दौरान एक- दो बार वर्षा हो सकती है, आसमान पर बादल छाए रहेंगे। इस अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 डिग्री सेल्सियस बना रह सकता है।

रूम दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले करीब एक दर्जन युवक दबोचे

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली पुलिस ने होटल और गेस्ट हाउस में रूम दिलाने का काम करने वाले दलालों पर शिकंजा कस दिया। विशेष अभियान के तहत रात्रि को पुलिस ने होटलों में रुम दिलाने वाले पोस्टर लेकर सड़क पर खड़े होने वाले युवकों को पकड़ा। शिकायत थी कि यह युवक श्रद्धालुओं के साथ ठगी करते हैं। बाहर से आए यह युवक बांकेबिहारी मंदिर, परिक्रमा मार्ग, विद्यापीठ चौराहा, चैतन्य विहार, रमणरेती और अन्य प्रमुख स्थानों पर होटल और गेस्ट हाउसों के लिए ग्राहक तलाशते हुए श्रद्धालुओं को बीच सड़क पर रोक लेते हैं। कई बार ग्राहकों को लेकर इनके बीच कहासुनी और मारपीट तक की नौबत आ जाती है। इससे श्रद्धालुओं को परेशानी होती है और शहर की व्यवस्था भी प्रभावित होती है। कोतवाली प्रभारी अश्वनी कुमार ने अभियान चलाकर निगरानी की। फिर रात्रि को करीब एक दर्जन युवकों को पकड़ लिया। थाना प्रभारी ने होटल और गेस्ट हाउस संचालकों से भी कहा है कि वे ग्राहकों को बुलाने के लिए सड़क पर दलाल न खड़े करें। यदि किसी होटल या गेस्ट हाउस की ओर से इस तरह की गतिविधियां कराई जाती मिलीं तो संबंधित लोगों के साथ-साथ संचालक के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

छात्र संसद ने ली शपथ, आचार्य और विद्यार्थी सम्मानित

श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर में विद्यार्थियों को सम्मानित करते जिला पंचायत अध्यक्ष किशन सिंह चौधरी, साथ में अध्यक्ष रमाकांत गोस्वामी, विद्यार्थी आदि।

यूनिक समय, मथुरा। श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर विद्यालय में मंगलवार को सत्र 2026-27 के लिए छात्र संसद का शपथ ग्रहण और प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी किशन सिंह, विद्यालय के अध्यक्ष रमाकांत गोस्वामी, प्रबंधक प्रो. तेजपाल सिंह और प्रधानाचार्य हरेंद्र कुमार सारस्वत ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समारोह में मुख्य अतिथि ने नवगठित छात्र संसद के प्रधानमंत्री, उप-प्रधानमंत्री, संसद अध्यक्ष और सांसदों को पद-गोपनीयता की शपथ दिलाई।

चुनाव आयुक्त कृष्णकांत मिश्रा, सह-चुनाव आयुक्त सुशील शर्मा, विनय मोहन शर्मा के निर्देशन में चुनाव कराया गया।

कक्षा 12 के छात्र विजय प्रताप सिंह छात्र संसद के प्रधानमंत्री चुने गए। प्रिंस कुमार संसद अध्यक्ष, जतिन राजपूत नेता प्रतिपक्ष बने। वहीं कक्षा 11 के छात्र गौरव कसाना उप प्रधानमंत्री पद पर निर्विरोध निर्वाचित हुए। विद्या भारती ब्रज प्रांत के 80 विद्यालयों के कुल 97 सम्मानित आचार्यों में से श्रीजी बाबा सरस्वती विद्या मंदिर के 46 आचार्यों और 123 सम्मानित विद्यार्थियों में से विद्यालय के 73 विद्यार्थियों को प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया। अतिथि चौधरी किशन सिंह ने विद्यार्थियों से लोकतांत्रिक मूल्यों, अनुशासन और सेवा-भाव को अपने जीवन में अपनाने के बारे में बताते हुए कहा कि छात्र संसद विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी और लोकतांत्रिक सोच विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर शिवहरी गोस्वामी, डॉ.हरीश सारस्वत, उमाशंकर, धर्मेंद्र कुमार बंसल, विजय यादव, नवीन वार्ष्णेय, ललित कुमार, कृष्णकांत शर्मा, हरदेव शर्मा, ऋचा गर्ग, सोनम चौधरी, शिवानी शर्मा सहित विद्यालय के आचार्य, कर्मचारी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नशे की लत के पीछे सामाजिक कारण जिम्मेदार

दुवासू में नशा मुक्ति पर विशेष व्याख्यान, युवाओं को किया जागरूक

मनोचिकित्सक डॉ. अनिंदो मित्रा को सम्मानित करते दुवासू के शिक्षक आदि।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो-अनुसंधान संस्थान (दुवासू) में मंगलवार को नशा मुक्ति भारत अभियान पखवाड़ा के अंतर्गत नशा जागरूकता विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों को नशे के दुष्प्रभावों, बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। मुख्य वक्ता गुरुग्राम स्थित एथेना मेंटल हेल्थ के मनोचिकित्सक डॉ. अनिंदो मित्रा ने नशा क्यों शुरू होता है, क्यों छूट नहीं पाता और इससे बाहर कैसे निकला जाए विषय पर संबोधित किया। उन्होंने बताया कि नशे की लत के पीछे मनोवैज्ञानिक, जैविक और सामाजिक कारण जिम्मेदार होते हैं। उन्होंने शराब, तंबाकू और अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक-मानसिक दुष्प्रभावों, उपचार, पुनर्वास और दीर्घकालिक सुधार के वैज्ञानिक तरीकों पर भी प्रकाश डाला।

डॉ. मित्रा ने कहा कि नशे की लत एक गंभीर स्वास्थ्य समस्या है, लेकिन समय पर उपचार और विशेषज्ञों की सलाह से इससे बाहर निकला जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय प्रशासन ने नशा मुक्त भारत के राष्ट्रीय संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और विद्यार्थियों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, समाज में नशे के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। व्याख्यान के बाद प्रश्नोत्तर सत्र में प्रतिभागियों ने विशेषज्ञ से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। अंत में सभी ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का सामूहिक संकल्प लिया।

चढ़ावे का धन जनकल्याण पर खर्च हो: राजीव शुक्ला

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद एवं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने वृंदावन प्रवास के दौरान कहा कि मंदिरों में आने वाले चढ़ावे का उपयोग जनकल्याण के कार्यों में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस धन से अस्पताल, शिक्षण संस्थान, गौसेवा और जरूरतमंद बेटियों के विवाह जैसे कार्य किए जाने चाहिए। बिना किसी ट्रस्ट का नाम लिए उन्होंने कहा कि मंदिरों के ट्रस्ट में राजनीतिक लोगों की आवश्यकता नहीं है और उनका संचालन साधु-संतों व शंकराचार्यों के हाथ में होना चाहिए। उन्होंने सरकार से भी धार्मिक संस्थाओं के संचालन में हस्तक्षेप न करने की बात कही। इससे पहले राजीव शुक्ला ने प्रियाकांत जू मंदिर में आयोजित 21 लाख पार्थिव शिवलिंग अनुष्ठान में भाग लिया और कथा व्यास देवकी नंदन महाराज से मुलाकात की। इस दौरान सनातन बोर्ड गठन की मांग पर भी चर्चा हुई, जिस पर उन्होंने समर्थन जताया।

हंसता आईना

हैकाथॉन में चमके आरआईएस के छात्र, टीम बैट सिग्नल रही अव्वल

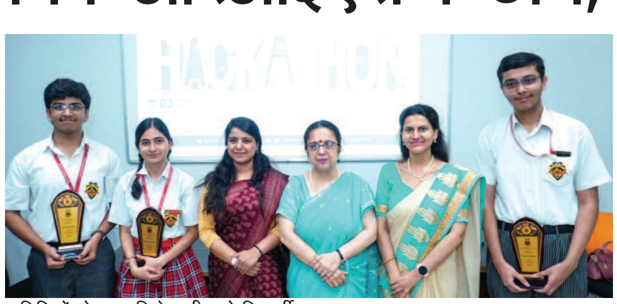

अतिथियों के साथ विजेता टीम के विद्यार्थी।

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में कक्षा 11 और 12 के छात्र-छात्राओं के लिए आयोजित एकदिवसीय हैकाथॉन प्रतियोगिता में नवाचार, तकनीकी कौशल और टीमवर्क का उत्कृष्ट प्रदर्शन देखने को मिला। प्रतियोगिता में 16 टीमों ने हिस्सा लिया और कोडिंग के माध्यम से अपने अभिनव विचारों को तकनीकी मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। प्रतिभागियों ने विभिन्न उपयोगी ऐप, वेबसाइट और डिजिटल समाधान विकसित कर अपनी रचनात्मक क्षमता का परिचय दिया। प्रतियोगिता में टीम बैट सिग्नल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। फॉर्मल सोसाइटी टीम उपविजेता रही, जबकि सेफ सर्कल ने तीसरा स्थान हासिल किया। निर्णायक मंडल में आरएटीएम की असिस्टेंट प्रोफेसर भाग्यश्री, डॉ. निधि वर्मा आर्य शामिल रहीं। विजेता टीम में कक्षा 12 के विवान सारस्वत, सक्षम खंडेलवाल और आदित्य राघव शामिल थे। उपविजेता टीम में शौर्य शर्मा, गुंजन अग्रवाल और मधुर चतुर्वेदी, जबकि द्वितीय उपविजेता टीम में आरुष अग्रवाल, ईशान श्रीवास्तव और योगेश अग्रवाल ने प्रभावशाली प्रस्तुति दी।

छात्रों ने ट्रेड सेवर, हिसाब विवक, घोस्ट, चैटबॉट और जरूरतमंदों तक अतिरिक्त भोजन पहुंचाने के लिए फूड ब्रिज जैसे उपयोगी प्रोजेक्ट तैयार किए। समापन समारोह में विजेता-उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। आरके एज्यूकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि हैकाथॉन जैसी प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को वास्तविक समस्याओं के समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती हैं और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करती हैं। स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने डिजिटल युग में कोडिंग और तकनीकी ज्ञान के महत्व पर बल दिया। प्रिंसिपल नंदिता ढींगरा ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि सफलता का पहला कदम प्रतियोगिता में सहभागिता है। संचालन में कंप्यूटर शिक्षकों अम्बिका जैन, प्रिया सेठ और रोहित का विशेष योगदान रहा।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायविल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

दूध में खजूर घोलकर पी जाएं, दूर हो जाएगी पाचन की दिक्कत

आंतों में चिपके मल को साफ कर निकाल देगा बाहर

यूनिक समय, मथुरा। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी और अनियमित खानपान ने सबसे ज्यादा असर हमारे पाचन तंत्र पर डाला है। खासकर पेट साफ न होने और कब्ज की समस्या बेहद आम हो गई है। लंबे समय तक कब्ज रहने पर यह समस्या गंभीर बीमारियों जैसे पाइल्स में बदल सकती है। खराब लाइफस्टाइल, कम फाइबर युक्त भोजन, जंक फूड, तैलीय और मसालेदार खाना तथा कम पानी पीने की आदतें इस परेशानी को और बढ़ा देती हैं। परिणामस्वरूप आंतों में मल चिपककर जमा हो जाता है और व्यक्ति को भारीपन, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन और आलस्य जैसी समस्याएं घेर लेती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि समय रहते इसका समाधान किया जाए तो पेट साफ न होने की दिक्कत को आसानी से दूर किया जा सकता है। डाइटिशियन स्वाति सिंह बताती हैं कि कुछ साधारण घरेलू नुस्खे, खासकर दूध के साथ खजूर पाचन को दुरुस्त करने में चमत्कारी असर दिखाते हैं।

दूध और घी: कब्ज से परेशान लोगों के लिए सबसे आसान और असरदार उपाय है दूध और घी। रात को सोने से पहले 1 कप गर्म दूध में 1 चम्मच देसी घी मिलाकर पीने से मल मुलायम होता है और आंतों की रुकावट कम होती है। सुबह शौच आसानी से हो जाता है और पेट हल्का महसूस होता है। नियमित रूप से यह उपाय करने से गैस और एसिडिटी की समस्या भी कम होती है।

दूध और खजूर: खजूर में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पाचन को मजबूत करता है। दूध और खजूर का मिश्रण प्राकृतिक रूप से आंतों की सफाई करता है। खजूर में मौजूद सोर्बिटोल नामक तत्व आंतों की गति को बेहतर बनाता है। रोजाना 3-4 खजूर दूध में डालकर खाने या पीने से पेट आसानी से साफ होता है और कब्ज दूर होती है।

लौंग वाला दूध: लौंग केवल मसाले में ही नहीं, बल्कि पाचन को सुधारने में भी मददगार है। 1 गिलास दूध में 2 लौंग डालकर उबाल लें और गुनगुना पी लें। यह मिश्रण पाचन तंत्र को सक्रिय करता है और आंतों की रुकावट को कम करता है। कब्ज से पीड़ित लोगों के लिए लौंग वाला दूध कारगर घरेलू उपाय है। कब्ज केवल शारीरिक असुविधा ही नहीं बल्कि मानसिक तनाव भी पैदा करती है। इससे भूख न लगना, सिर भारी रहना और थकान जैसी समस्याएं बनी रहती हैं। लंबे समय तक कब्ज रहने से आंतों पर दबाव बढ़ता है और पाइल्स, फिशर जैसी बीमारियां भी हो सकती हैं। इसलिए पेट साफ न होने की समस्या को हल्के में नहीं लेना चाहिए। दूध में घी, खजूर या लौंग मिलाकर पीना न केवल पाचन को दुरुस्त करता है बल्कि शरीर को हल्का और ऊर्जावान भी बनाता है। इन साधारण घरेलू नुस्खों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाकर पेट की समस्या से राहत पाई जा सकती है। साथ ही संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और नियमित व्यायाम भी पाचन को बेहतर बनाते हैं।

किचन का कचरा बनाएगा पौधों की सेहत

यूनिक समय, मथुरा। पौधे हमारे घर की खूबसूरती ही नहीं बढ़ाते बल्कि वातावरण को शुद्ध करने और सेहत सुधारने में भी मददगार होते हैं। लेकिन पौधों को स्वस्थ बनाए रखना आसान काम नहीं है। बाजार में मिलने वाली केमिकल वाली खाद भले ही असर दिखाए, लेकिन लंबे समय में ये मिट्टी और पौधों दोनों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में किचन से निकलने वाला जैविक कचरा पौधों के लिए वरदान साबित हो सकता है।

अंडे के छिलकों में कैल्शियम प्रचुर मात्रा में होता है, जो पौधों की कोशिकाओं को मजबूत बनाने में मदद करता है। इन्हें सुखाकर पीस लें और पाउडर को पौधे की जड़ों के आसपास डाल दें। यह खासतौर पर टमाटर, मिर्च और बैंगन के पौधों के लिए बेहद फायदेमंद है।

केले के छिलकों में पोटेशियम और फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में मौजूद होता है। ये पौधों में फूल और फल उगने की प्रक्रिया को बेहतर बनाते हैं। केले के छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर सीधे मिट्टी में डाल दें या फिर पानी में भिगोकर पौधों की जड़ों में डालें।

अक्सर घरों में इस्तेमाल की गई चायपत्ती फेंक दी जाती है, जबकि यह पौधों के लिए बेहतरीन खाद है। सूखी हुई चायपत्ती को मिट्टी में मिलाने से पौधे की पत्तियां ज्यादा हरी-भरी होती हैं। गुलाब, फर्न और कमीलया जैसे पौधों के लिए यह सबसे ज्यादा लाभकारी है। आलू, गाजर और अन्य सब्जियों के छिलके भी प्राकृतिक खाद की तरह काम करते हैं। इन्हें काटकर सीधे मिट्टी में डाल सकते हैं या फिर खाद में मिलाकर पौधों की जड़ों में डालें। यह हर प्रकार के पौधों के लिए फायदेमंद है और मिट्टी को उपजाऊ बनाता है।

किचन से निकलने वाला कचरा न सिर्फ पौधों की सेहत के लिए अच्छा है बल्कि इससे पैसों की भी बचत होती है। रासायनिक खाद की जगह प्राकृतिक विकल्प अपनाने से पौधों की ग्रोथ बेहतर होती है और पर्यावरण भी सुरक्षित रहता है।

तीज पर खास प्रसाद : मिनटों में बनाएं भुने चने का लड्डू

स्वाद और सेहत का अनोखा संगम

यूनिक समय, मथुरा। तीज का व्रत हिन्दू धर्म में अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है। इस साल यह व्रत 15 अगस्त को मनाया जाएगा। शादीशुदा महिलाएं यह व्रत अपने पतियों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखती हैं। तीज के अवसर पर तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं, जिनमें खासतौर पर सत्तू का लड्डू प्रमुख है। यह एक मीठा व्यंजन है जो भुने हुए चने के आटे, चीनी और घी से तैयार किया जाता है। इसका स्वाद लाजवाब होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद है। इस मिठाई की खासियत यह है कि इसे बनाने में ज्यादा मेहनत या समय नहीं लगता और यह व्रत के दौरान ऊर्जा भी प्रदान करता है।

सत्तू का लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले भुने हुए चने लिए जाते हैं। करीब 500 ग्राम चनों को अच्छी तरह साफ करके उनके छिलके निकाल दिए जाते हैं। इसके बाद मिक्सर जार में डालकर इन्हें दरदरा पीस लिया जाता है और चलनी से छान लिया जाता है। अब काजू और पिसी हुई चीनी को भी मिक्सर में

डालकर बारीक पीस लिया जाता है। इसके बाद दोनों मिश्रण को एक बर्तन में डालकर आपस में अच्छी तरह मिला लिया जाता है। इसमें स्वाद और सुगंध के लिए इलायची पाउडर मिलाया जाता है। रंगत आकर्षक बनाने के लिए हल्का पीला खाने वाला रंग भी डाला जा सकता है। अब इसमें आधा कप देसी घी डालकर अच्छे से गूंथ लिया जाता है ताकि मिश्रण बंधने लगे। यदि मिश्रण बहुत सूखा लगे और लड्डू टूटने लगें तो एक-दो चम्मच घी और डाल सकते हैं। जब मिश्रण पूरी तरह तैयार हो जाए तो इसे हथेलियों में लेकर गोल-गोल आकार में लड्डू बना लें। ऊपर से कटे हुए बादाम और काजू लगाकर इन्हें सजाया जा सकता है। इस तरह कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट और पौष्टिक तीज के सत्तू लड्डू तैयार हो जाते हैं।

तीज पर चने का लड्डू बनाने की परंपरा बहुत पुरानी है। इसका धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व जुड़ा हुआ है। इसे देवी पार्वती को प्रसाद स्वरूप चढ़ाया जाता है और यह माना जाता है कि इससे वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। साथ ही, यह लड्डू व्रत रखने वाली महिलाओं के लिए ऊर्जा का अच्छा स्रोत भी है। भुने हुए चने में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, जबकि घी शरीर को ताकत देता है और चीनी तत्काल ऊर्जा प्रदान करती है। यही कारण है कि इसे व्रत और त्योहारों पर खास तौर पर बनाया जाता है। तीज का लड्डू न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह परिवार में खुशी और एकता का भी प्रतीक है। जब महिलाएं मिलकर इसे बनाती हैं, तो त्योहार का आनंद और भी बढ़ जाता है। इसका स्वाद घर के हर सदस्य को पसंद आता है, चाहे बच्चे हों या बुजुर्ग। तीज जैसे पावन पर्व पर सत्तू के लड्डू बनाना वास्तव में परंपरा और स्वाद का संगम है।

चंदेरी : इतिहास, विरासत और चंदेरी साड़ियों की अनमोल नगरी

यूनिक समय, मथुरा। मध्य प्रदेश की मालवा और बुंदेलखंड की सीमाओं पर बसा चंदेरी इतिहास, कला और परंपराओं का अनूठा संगम है। यह नगर अपने भव्य किलों, प्राचीन मंदिरों, जैन तीर्थों और विश्वप्रसिद्ध चंदेरी साड़ियों के लिए विख्यात है। चंदेरी का इतिहास लगभग 11वीं शताब्दी से जुड़ा है और यह नगर प्रतिहार, गुर्जर, सुल्तान, मुग़ल, बुंदेला और मराठा शासकों के अधीन रह चुका है। यही कारण है कि यहां की वास्तुकला में हिन्दू, इस्लामी और जैन प्रभावों का अद्भुत मेल देखने को मिलता है।

पारंपरिक व्यापार मार्गों पर स्थित होने के कारण चंदेरी सदियों तक वस्त्र उद्योग का बड़ा केंद्र रहा है। यहां की तंग गलियां, पुरानी हवेलियां और धार्मिक स्थल इतिहास के पन्नों को जीवंत कर देते हैं। नगर की पहचान उसका भव्य किला है, जो 13वीं शताब्दी में बनवाया गया और

आज भी चंदेरी की विरासत का प्रहरी है। किले के भीतर कौशक महल विशेष आकर्षण है, जिसे मुगल काल में बनवाया गया था।

चंदेरी किला, जौरी की मस्जिद, बड़ी मस्जिद, अनोखी "कटी घोड़ी" संरचना और नालगिरी पर्वत पर स्थित विशाल जैन मंदिर यहां आने वाले पर्यटकों को मोह लेते हैं। जैन मंदिरों की श्रृंखला और भगवान आदिनाथ की भव्य प्रतिमा चंदेरी को आध्यात्मिक दृष्टि से भी विशेष बनाती है।

विश्वभर में प्रसिद्ध चंदेरी साड़ियाँ इस नगर की पहचान हैं। रेशम और सूती धागों से हथकरघे पर बुनी जाने वाली ये साड़ियाँ हल्केपन, चमकदार कपड़े और पारंपरिक बूटियों के लिए जानी जाती हैं। आज भी चंदेरी के बुनकर मोहल्लों में साड़ियों की वही पुरानी बुनाई परंपरा जीवित है, जिसने इस छोटे से कस्बे को वैश्विक पहचान दिलाई।

कैसे पहुंचे: चंदेरी तक पहुंचने के लिए निकटतम रेलवे स्टेशन ललितपुर (36 किमी) और अशोकनगर (38 किमी) हैं। नजदीकी हवाई अड्डे ग्वालियर (200 किमी) और भोपाल (215 किमी) पर हैं। झांसी, शिवपुरी और सागर जैसे शहरों से सड़क मार्ग द्वारा भी यह नगर अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

चंदेरी में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए अब कई होटल और गेस्ट हाउस उपलब्ध हैं। मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा संचालित आवास सुविधाएं यात्रियों को आरामदायक अनुभव कराती हैं।

यात्रा का सही समय : अक्टूबर से मार्च के बीच चंदेरी की यात्रा सबसे सुखद रहती है। इस दौरान मौसम सुहावना होता है और ऐतिहासिक धरोहरों का आनंद उठाना अधिक सुविधाजनक हो जाता है।

चंदेरी में कदम रखते ही लगता है मानो समय ठहर गया हो। यहां की हवाएं इतिहास की कहानियां सुनाती हैं, जबकि हथकरघे की खटखट भारतीय शिल्प की परंपरा को जीवित रखती है। चंदेरी केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति, कला और विरासत का जीवंत प्रतीक है।

सुविचार

समय की कद्र करने वाले ही सफलता की कहानी लिखते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	10:03-08:42 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	अश्विनी	09:54-09:18 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:49 AM	चन्द्रोदय	10:49 PM
सूर्यास्त		7:01 PM	चंद्रास्त	12:57 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	मेष राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:25 PM: 02:04 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। खर्च नियंत्रित रखें।

वृषभ: आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। रुके कार्य पूरे होंगे। निवेश सोच-समझकर करें। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मन प्रसन्न रहेगा।

मिथुन: नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलेगी। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

कर्क: परिवार में खुशियां बढ़ेंगी। व्यापार में लाभ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि रहेगी।

सिंह: कार्यस्थल पर सम्मान मिलेगा। आय बढ़ेगी। पुराने विवाद सुलझेंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। धैर्य रखें।

कन्या: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। नए अवसर प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। परिवार के साथ समय बिताएं। मन प्रसन्न रहेगा।

तुला: व्यापार में विस्तार होगा। नए संपर्क लाभ देंगे। खर्च बढ़ सकता है। सोच-समझकर निर्णय लें। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा।

वृश्चिक: रुका धन मिलने के संकेत हैं। करियर में उन्नति होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। यात्रा शुभ रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में प्रगति होगी। निवेश लाभ देगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आत्मविश्वास बनाए रखें।

मकर: आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विवादों से बचें।

कुंभ: नए कार्य शुरू करने के लिए दिन शुभ है। आय में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बनेंगे।

मीन: मन शांत रहेगा। व्यापार में लाभ मिलेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम बना रहेगा।

हरियाली तीज पर दुर्लभ संयोग, बढ़ेगी शिव-गौरी की विशेष कृपा

15 अगस्त को सिद्ध योग में होगी विशेष पूजा

घी का दीपक जलाकर करें मनचाहे वर की प्रार्थना

यूनिक समय, मथुरा। सनातन परंपरा में हरियाली तीज का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती के अटूट दांपत्य, अखंड सौभाग्य और सुखी वैवाहिक जीवन का प्रतीक माना जाता है। इस वर्ष हरियाली तीज 15 अगस्त, शनिवार को मनाई जाएगी। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस बार सिद्ध योग, शिव योग और शनिवार का विशेष संयोग बनने से पर्व का धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। मान्यता है कि इस शुभ अवसर पर श्रद्धापूर्वक की गई पूजा-अर्चना से वैवाहिक जीवन में सुख, प्रेम और विश्वास की वृद्धि होती है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार हरियाली तीज का व्रत मुख्य रूप से सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी आयु, परिवार की समृद्धि और अखंड सौभाग्य की कामना के लिए रखती हैं। वहीं अविवाहित कन्याएं भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना कर योग्य एवं मनचाहे जीवनसाथी का आशीर्वाद मांगती हैं। धार्मिक विश्वास है कि श्रद्धा और विधि-विधान से किया गया यह व्रत विवाह संबंधी बाधाओं को दूर करने में सहायक माना जाता है।

पूजा के दौरान प्रातः स्नान के बाद हरे रंग के वस्त्र धारण करना शुभ माना गया है।

यदि हरे वस्त्र उपलब्ध न हों तो हरी चूड़ियां पहनकर भी पूजा की जा सकती है। भगवान शिव और माता पार्वती का विधिवत पूजन कर उन्हें श्रृंगार सामग्री, हरी चूड़ियां, सिंदूर, चुनरी, फल, फूल और मिठाई अर्पित की जाती है। परंपरा के अनुसार प्रातःकाल, मध्यान्ह, सायंकाल और मध्यरात्रि, चारों पहर पूजा करने का विशेष महत्व बताया गया है। अविवाहित कन्याओं के लिए इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती के समक्ष घी का दीपक जलाकर सच्चे मन से प्रार्थना करना शुभ माना जाता है। माता गौरी को लाल चुनरी, सुपारी और एक सिक्का अर्पित कर "ॐ गौरी शंकराय नमः" मंत्र का जाप करने की भी मान्यता है। धार्मिक विश्वास के अनुसार ऐसा करने से योग्य जीवनसाथी की प्राप्ति के योग मजबूत होते हैं। हरियाली तीज केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति, परिवार और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान और समर्पण का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण उत्सव भी माना जाता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

हाथी का जोड़ा लाता है सुख समृद्धि, सौभाग्य और स्थिरता

यूनिक समय, मथुरा। वास्तु शास्त्र में घर की सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और पारिवारिक खुशहाली के लिए कई शुभ प्रतीकों का उल्लेख मिलता है। इन्हीं में हाथी के जोड़े को विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि सही दिशा और विधि से स्थापित किया गया हाथी का जोड़ा घर में शांति, समृद्धि और सौहार्द का वातावरण बनाने में सहायक माना जाता है। इसलिए कई लोग अपने घर, कार्यालय और प्रतिष्ठानों में हाथी की प्रतिमा स्थापित करते हैं।

वास्तु मान्यताओं के अनुसार हाथी को भगवान गणेश तथा देवराज इंद्र के ऐरावत का प्रतीक माना जाता है। इसे शक्ति, स्थिरता और समृद्धि का संकेत भी माना जाता है। कहा जाता है कि घर में हाथी का जोड़ा रखने से पति-पत्नी के संबंधों में मधुरता बढ़ती है, परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और सम्मान

बना रहता है तथा अटके हुए कार्यों में गति आने की मान्यता है। साथ ही इसे नकारात्मक ऊर्जा को कम करने वाला शुभ प्रतीक भी माना जाता है।

हाथी के जोड़े को स्थापित करते समय दिशा का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जाती है। वास्तु के अनुसार उत्तर-पूर्व दिशा में हाथी का जोड़ा रखने से घर में सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। वहीं धन और करियर में उन्नति की

उत्तर-पूर्व दिशा में रखने से बढ़ती है सकारात्मक ऊर्जा

पीतल, चांदी, लकड़ी के हाथी माने जाते हैं शुभ

कामना रखने वाले लोग इसे उत्तर दिशा में स्थापित करते हैं, जिसे कुबेर की दिशा माना जाता है। प्रतिमा खरीदते समय ऊपर उठी सूंड वाले हाथी को अधिक शुभ माना जाता है। पीतल का हाथी व्यापार और आर्थिक उन्नति, चांदी का हाथी मानसिक शांति तथा लकड़ी का हाथी घर में स्थिरता और सकारात्मक वातावरण का प्रतीक माना जाता है। हालांकि ये सभी मान्यताएं वास्तु और पारंपरिक विश्वासों पर आधारित हैं।

रबर प्लांट बदलेगा किस्मत घर में आएगी खुशहाली

यूनिक समय, मथुरा। घर की सजावट के साथ सकारात्मक वातावरण बनाने के लिए रबर प्लांट आजकल लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है। वास्तु शास्त्र में इसे शुभ पौधा माना जाता है। मान्यता है कि सही दिशा में रखा गया रबर प्लांट घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने और सुख-समृद्धि का वातावरण बनाने में सहायक होता है। हालांकि, इन मान्यताओं का वैज्ञानिक प्रमाण सीमित है।

वास्तु के अनुसार रबर प्लांट को घर की दक्षिण-पूर्व (आग्नेय) दिशा में रखना शुभ माना जाता है। इसे लिविंग रूम, मुख्य प्रवेश द्वार या कार्यालय के रिसेप्शन

सही दिशा में रखने से बढ़ती है सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि

कम देखभाल वाला पौधा घर की बढ़ाता है प्राकृतिक खूबसूरती

और केबिन के पास भी रखा जा सकता है। वहीं इसे उत्तर-पूर्व (ईशान) दिशा में रखने से बचने की सलाह दी जाती है। रबर प्लांट अपनी चमकदार हरी पत्तियों और कम देखभाल की आवश्यकता के कारण लोकप्रिय इनडोर पौधों में शामिल है। इसे हवा की गुणवत्ता बेहतर बनाने वाले पौधों में भी गिना जाता है। इसकी अच्छी वृद्धि के लिए पर्याप्त अप्रत्यक्ष रोशनी, नियमित सिंचाई और पत्तियों की समय-समय पर सफाई जरूरी है। सूखी या पीली पत्तियों को हटाने से पौधा स्वस्थ और आकर्षक बना रहता है।

राजस्थान में प्राकृतिक रुद्राक्ष स्वरूप में विराजते हैं शिव-पार्वती

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गुढ़ागौड़जी कस्बे में स्थित प्राचीन शिवधाम अपनी अनोखी प्राकृतिक संरचना और धार्मिक मान्यताओं के कारण श्रद्धालुओं की विशेष आस्था का केंद्र बना हुआ है। त्रिवेणी घाट के समीप 142 फीट ऊंची पहाड़ी पर स्थित इस शिवधाम में भगवान शिव और माता पार्वती का स्वरूप किसी शिल्पकार द्वारा निर्मित नहीं, बल्कि प्राकृतिक रूप से चट्टानों के बीच रुद्राक्ष जैसी आकृति में उभरा हुआ माना जाता है। इसी कारण यह स्थान देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है।

मंदिर तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 182 सीढ़ियां चढ़नी

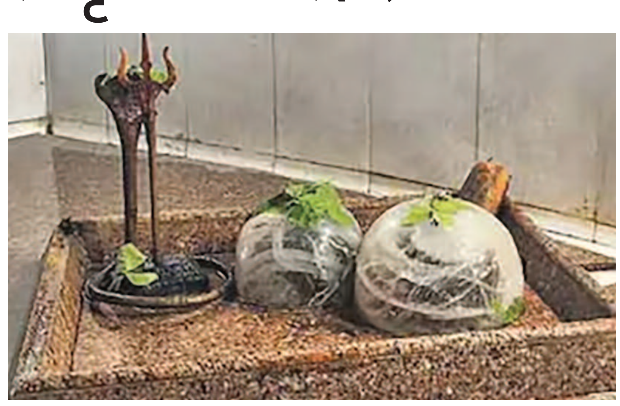

पड़ती हैं। पहाड़ी पर चढ़ते समय चारों ओर प्राकृतिक चट्टानें और हरियाली मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करती हैं। गुफा के भीतर दिन में भी अंधेरा रहता है, इसलिए दर्शन के लिए दीपक या कृत्रिम रोशनी का सहारा लेना पड़ता है। गुफा का शांत वातावरण श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक अनुभूति कराता है। मंदिर के पुजारियों के अनुसार लगातार जलाभिषेक और प्राकृतिक क्षरण से

182 सीढ़ियां चढ़कर गुफा तक पहुंचते हैं श्रद्धालु

जोड़े से जलाभिषेक करने की प्राचीन मान्यता आज भी है कायम

स्वयंभू स्वरूप को नुकसान पहुंचने लगा था। इसे सुरक्षित रखने के लिए पारदर्शी सुरक्षा शिला आवरण लगाया गया, जिससे प्राकृतिक स्वरूप सुरक्षित रहते हुए श्रद्धालु जलाभिषेक भी कर सकें।

मंदिर का इतिहास भी काफी पुराना बताया जाता है। पुजारी भोलादास के अनुसार खेतड़ी रियासत के तत्कालीन नरेश अजीत सिंह ने यहां सबसे पहले कुंड और धूणा का निर्माण कराया था। बाद में स्थानीय ग्रामीणों और भामाशाहों के सहयोग से मंदिर का विकास होता रहा। पहाड़ी की तलहटी में संचालित गोशाला में बेसहारा देसी गायों की सेवा भी की जाती है। सावन माह में यहां विशेष पूजा-अर्चना और जलाभिषेक के लिए हजारों श्रद्धालु पहुंचते हैं। स्थानीय मान्यता है कि पति-पत्नी या प्रेमी-प्रेमिका यदि इस प्राकृतिक रुद्राक्ष स्वरूप पर साथ मिलकर जलाभिषेक करते हैं तो उनके रिश्ते में प्रेम, विश्वास और स्थिरता बनी रहती है। यही आस्था इस प्राचीन शिवधाम को प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में विशेष पहचान दिलाती है।

सम्पादकीय

डिग्री किराये पर, दवा भरोसे पर, सिस्टम मुस्कुराता रहा

बिहार में सामने आए कथित ड्रग लाइसेंस और फार्मासिस्ट डिग्री के खेल ने पूरे देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि जांच में लगाए गए आरोप सही साबित होते हैं, तो यह केवल एक राज्य का मामला नहीं माना जा सकता। उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य के लिए भी यह चेतावनी है कि दवा कारोबार से जुड़े नियमों का कड़ाई से पालन हो रहा है या नहीं, इसकी नियमित और निष्पक्ष जांच जरूरी है। उत्तर प्रदेश में हजारों मेडिकल स्टोर संचालित हैं। नियमों के अनुसार प्रत्येक दवा दुकान पर पंजीकृत फार्मासिस्ट की मौजूदगी अनिवार्य है। लेकिन समय–समय पर विभिन्न जिलों में बिना फार्मासिस्ट के दवा बिक्री, लाइसेंस संबंधी अनियमितताओं और नियमों के उल्लंघन की शिकायतें सामने आती रही हैं। यदि कहीं किराये की डिग्री या फर्जी दस्तावेजों के सहारे लाइसेंस जारी हो रहे हैं, तो यह सीधे मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा विषय है। व्यंग्य यही है कि आज दवा बेचने से पहले मरीज का पर्चा पढ़ने वाला विशेषज्ञ मिले या न मिले, लेकिन कागजों में सब कुछ "नियमों के अनुसार" दिख जाता है। व्यवस्था इतनी आधुनिक हो गई है कि ऑनलाइन आवेदन होता है, लेकिन यदि निगरानी कमजोर हो जाए तो भ्रष्टाचार भी डिजिटल रूप ले लेता है। उत्तर प्रदेश सरकार लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, नकली दवाओं पर कार्रवाई और औषधि विभाग की निगरानी बढ़ाने की बात करती रही है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि पूरे प्रदेश में मेडिकल स्टोरों का विशेष सत्यापन अभियान चलाया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रत्येक लाइसेंस वास्तविक फार्मासिस्ट से जुड़ा हो, दवा दुकानों पर योग्य व्यक्ति मौजूद हो और निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित न रहे। दवा कोई सामान्य वस्तु नहीं है। गलत हाथों में दवा पहुंचना मरीज की जान के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए लाइसेंस प्रक्रिया में पारदर्शिता, नियमित निरीक्षण, डिजिटल सत्यापन और दोषियों पर कठोर कार्रवाई ही जनता का विश्वास बनाए रख सकती है। बिहार की यह जांच उत्तर प्रदेश सहित सभी राज्यों के लिए एक सबक है। स्वास्थ्य व्यवस्था में भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं होती, लेकिन उसकी सबसे बड़ी कीमत आम मरीज चुकाता है। इसलिए आवश्यक है कि नियम केवल फाइलों में नहीं, बल्कि हर मेडिकल स्टोर पर जमीन पर दिखाई दें। मरीज का भरोसा ही स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी है और उसकी रक्षा करना सरकार, विभाग तथा दवा कारोबार से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति की साझा जिम्मेदारी है।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

सीमा पर चीन और पाक की हलचल से भारत पूरी तरह सतर्क और तैयार

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं पर चीन और पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य सक्रियता एक बार फिर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े कर रही है। हाल के दिनों में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार चीन ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के समीप अपने अत्याधुनिक जे–20 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की तैनाती बढ़ाई है, जबकि पाकिस्तान ने चीन से प्राप्त एसएच–15 सेल्फ–प्रोपेल्ड हॉवित्जर तोपों को भारत से सटे क्षेत्रों में सक्रिय किया है। इन घटनाओं को केवल सैन्य गतिविधि मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह दोनों देशों की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है, जिसका उद्देश्य भारत पर लगातार सामरिक और मनोवैज्ञानिक दबाव बनाए रखना है।

पाकिस्तान ने वर्ष 2019 में चीन की रक्षा कंपनी नोरिन्को से 236 एसएच–15 हॉवित्जर तोपों की खरीद का समझौता किया था। इनकी आपूर्ति चरणबद्ध तरीके से पूरी हुई और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से पाकिस्तान ने इनके स्थानीय उत्पादन की दिशा में भी कदम बढ़ाया है। यह स्पष्ट संकेत है कि पाकिस्तान अपने तोपखाना बेड़े को आधुनिक बनाकर सीमावर्ती क्षेत्रों में अधिक प्रभावी सैन्य क्षमता विकसित करना चाहता है। इन तोपों की लंबी मारक क्षमता, तेज गति और आधुनिक फायर कंट्रोल सिस्टम इन्हें पारंपरिक तोपों की तुलना में अधिक प्रभावशाली बनाते हैं। हालांकि किसी भी हथियार प्रणाली की वास्तविक क्षमता युद्धक्षेत्र की परिस्थितियों, प्रशिक्षण, खुफिया जानकारी और समन्वित सैन्य संचालन पर भी निर्भर करती है।

दूसरी ओर चीन द्वारा एलएसी के निकट जे–20 स्टील्थ लड़ाकू विमानों की तैनाती भी विशेष महत्व रखती है। जे–20 चीन का आधुनिक पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान माना जाता है, जिसे कम रडार पहचान, लंबी दूरी की कार्रवाई और उन्नत सेंसर तकनीक के साथ विकसित किया गया है। यदि इन विमानों की अग्रिम तैनाती स्थायी स्वरूप लेती है, तो यह सीमा क्षेत्रों में चीन की बढ़ती सैन्य उपस्थिति का संकेत हो सकता है। गलवान घाटी की घटना के बाद से दोनों देशों के बीच विश्वास का स्तर पहले जैसा नहीं रहा है और सीमावर्ती क्षेत्रों में सैनिकों तथा सैन्य संसाधनों की मौजूदगी लगातार बनी हुई है।

भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती दो मोर्चों पर संभावित सुरक्षा दबाव की है। पश्चिम में पाकिस्तान और उत्तर में चीन की समानांतर सैन्य सक्रियता भारतीय सुरक्षा रणनीति को अधिक सतर्क और संतुलित बनाए रखने की मांग करती है। हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि किसी भी सैन्य तैनाती को तत्काल युद्ध की संभावना के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

सीमाओं पर सैन्य संसाधनों की तैनाती अक्सर शक्ति प्रदर्शन, सामरिक संदेश और प्रतिरोध क्षमता बनाए रखने की रणनीति का भी हिस्सा होती है। इसलिए हर गतिविधि का आकलन तथ्यों और आधिकारिक सूचनाओं के आधार पर ही किया जाना चाहिए।

भारत ने भी पिछले कुछ वर्षों में अपनी सैन्य क्षमताओं को लगातार मजबूत किया है। भारतीय सेना फील्ड आर्टिलरी रैशनलाइजेशन योजना के अंतर्गत 155 मिमी तोप प्रणाली की ओर तेजी से बढ़ रही है। एम–777 अल्ट्रा–लाइट हॉवित्जर, के–9 वज्र और स्वदेशी धनुष जैसी आधुनिक तोपें सेना की ताकत बढ़ा रही हैं। इसके अलावा एडवांस्ड टोव्ड आर्टिलरी गन सिस्टम (एटीएजीएस) का बड़े पैमाने पर निर्माण भी भारतीय रक्षा उद्योग की बढ़ती आत्मनिर्भरता का प्रमाण है। पहिएदार माउंटेड गन सिस्टम पर भी कार्य जारी है, जिससे भविष्य में सेना की गतिशीलता और मारक क्षमता दोनों में वृद्धि होगी। वायुसेना

के स्तर पर भी भारत लगातार अपनी क्षमता बढ़ाने के प्रयास कर रहा है। राफेल लड़ाकू विमानों की तैनाती, स्वदेशी तेजस कार्यक्रम, अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियां, एकीकृत वायु रक्षा नेटवर्क तथा निगरानी प्रणालियां भारतीय सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बना रही हैं। हालांकि कुछ परियोजनाओं में देरी और नए लड़ाकू विमानों की आवश्यकता जैसी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से भारत आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है।

आज के दौर में केवल हथियारों की संख्या ही किसी देश की वास्तविक शक्ति निर्धारित नहीं करती। आधुनिक युद्ध में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष आधारित निगरानी, ड्रोन तकनीक, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध क्षमता और सटीक खुफिया जानकारी की भूमिका लगातार बढ़ रही है। भारत ने इन क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय प्रगति की है और भविष्य की सैन्य चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपनी रणनीति विकसित कर रहा है। यही कारण है कि सीमाओं पर होने वाली हर गतिविधि का जवाब केवल सैन्य तैनाती से नहीं, बल्कि व्यापक रणनीतिक तैयारी से दिया जाता है।

कूटनीतिक स्तर पर भी भारत ने हमेशा यह स्पष्ट किया है कि वह शांति और स्थिरता का समर्थक है, लेकिन अपनी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। सीमावर्ती विवादों का समाधान वार्ता के माध्यम से होना चाहिए, परंतु यदि राष्ट्रीय सुरक्षा पर कोई प्रत्यक्ष खतरा उत्पन्न होता है तो देश उसके अनुरूप आवश्यक कदम उठाने की क्षमता भी रखता है। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत की विदेश और सुरक्षा नीति की विशेषता रहा है।

सीमाओं पर चीन और पाकिस्तान की बढ़ती सैन्य गतिविधियां निश्चित रूप से गंभीरता से निगरानी करने योग्य हैं, लेकिन इनके आधार पर अनावश्यक भय या युद्ध की आशंका फैलाना उचित नहीं होगा। आवश्यक यह है कि भारत अपनी सैन्य तैयारियों, रक्षा आधुनिकीकरण, तकनीकी आत्मनिर्भरता और कूटनीतिक प्रयासों को समान गति से आगे बढ़ाए। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक सैन्य क्षमता और संतुलित विदेश नीति ही किसी भी देश की वास्तविक सुरक्षा की आधारशिला होती है। वर्तमान परिस्थितियां भारत के लिए चुनौती अवश्य हैं, लेकिन यह देश की बढ़ती सामरिक क्षमता, आत्मविश्वास और दीर्घकालिक रणनीतिक सोच की भी परीक्षा हैं।

विचार विंडो

शुद्धता के दावों पर सख्त हुई खाद्य सुरक्षा व्यवस्था

राम प्रकाश अग्रवाल

देश में खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता और उनके प्रचार–प्रसार को लेकर एक बार फिर बड़ा सवाल खड़ा हुआ है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा डाबर के कुछ उत्पादों पर लगाए गए प्रतिबंध ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि अब केवल आकर्षक विज्ञापनों या बड़े–बड़े दावों के आधार पर उपभोक्ताओं का विश्वास हासिल नहीं किया जा सकता। यदि किसी उत्पाद पर '100 प्रतिशत शुद्ध', '100 प्रतिशत प्राकृतिक' या '100 प्रतिशत ऑर्गेनिक' जैसे दावे किए जाते हैं, तो उनके समर्थन में वैज्ञानिक और नियामकीय प्रमाण होना अनिवार्य है। अन्यथा ऐसे दावे उपभोक्ताओं को गुमराह करने की श्रेणी में माने जाएंगे।

एफएसएसएआई ने डाबर के कई खाद्य उत्पादों पर रोक लगाते हुए कंपनी से 15 दिनों के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है। नियामक संस्था का कहना है कि कंपनी की वेबसाइट और उत्पादों पर ऐसे दावे किए गए, जो खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विज्ञापन एवं दावे) विनियम, 2018 के अनुरूप नहीं हैं। जांच के दौरान '100 प्रतिशत नेचुरल', '100 प्रतिशत प्योर', '100 प्रतिशत प्योरिटी गारंटीड' और '100 प्रतिशत ऑर्गेनिक' जैसे दावे पाए गए, जिन्हें पर्याप्त प्रमाणों के अभाव में भ्रामक माना गया। कुछ उत्पादों पर जैविक होने से जुड़े चिन्हों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। यह मामला केवल एक कंपनी तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे खाद्य उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत है। आज उपभोक्ता पहले की तुलना में अधिक जागरूक है और वह उत्पाद खरीदते समय गुणवत्ता, सामग्री और प्रमाणिकता पर विशेष ध्यान देता है। ऐसे में यदि कंपनियां वैज्ञानिक आधार के बिना पूर्ण शुद्धता या प्राकृतिक होने का दावा करती हैं, तो यह उपभोक्ता के विश्वास के साथ–साथ निष्पक्ष व्यापार व्यवस्था को भी प्रभावित करता है। किसी भी ब्रांड की सबसे बड़ी पूंजी उसका भरोसा होता है, और भ्रामक प्रचार उस भरोसे को कमजोर कर सकता है।

विज्ञापन आधुनिक व्यापार का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन उनकी भी स्पष्ट सीमाएं हैं। किसी उत्पाद की विशेषताओं को आकर्षक तरीके से प्रस्तुत करना और उपभोक्ताओं को भ्रमित करने वाला दावा करना, दोनों अलग–अलग बातें हैं। जब किसी खाद्य पदार्थ पर '100 प्रतिशत' जैसा पूर्ण दावा किया जाता है, तो उपभोक्ता स्वाभाविक रूप से यह मान लेता है कि उत्पाद हर दृष्टि से पूरी तरह शुद्ध और प्रमाणित है। यदि ऐसा दावा वैज्ञानिक परीक्षणों

और नियामकीय स्वीकृति से सिद्ध नहीं होता, तो यह उपभोक्ता संरक्षण के सिद्धांतों के विपरीत माना जाएगा। एफएसएसएआई का यह कदम इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि उसने पहले संबंधित कंपनी को ऐसे दावे हटाने का निर्देश दिया था। यदि नियामक के निर्देशों के बाद भी सुधार नहीं किया जाता, तो कार्रवाई होना स्वाभाविक है। इससे यह संदेश भी जाता है कि नियम सभी कंपनियों पर समान रूप से लागू होते हैं, चाहे उनका बाजार में कितना भी बड़ा स्थान क्यों न हो। खाद्य सुरक्षा से जुड़े मामलों में नियामक संस्थाओं की निष्पक्षता और सक्रियता उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक है। पिछले कुछ वर्षों में भ्रामक विज्ञापनों को लेकर कई बड़े मामले सामने आए हैं। स्वास्थ्य लाभ, रोगों के उपचार, पोषण या पूर्ण शुद्धता जैसे दावों पर न्यायालयों और नियामक संस्थाओं ने समय–समय पर सख्त रुख अपनाया है। इससे स्पष्ट है कि अब केवल प्रचार के आधार पर बाजार में प्रतिस्पर्धा करने की प्रवृत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। कंपनियों को अपने प्रत्येक दावे के पीछे प्रमाण, परीक्षण और नियामकीय स्वीकृति सुनिश्चित करनी होगी।

दूसरी ओर, उपभोक्ताओं की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। किसी भी उत्पाद को केवल विज्ञापन, पैकेजिंग या आकर्षक टैगलाइन देखकर खरीदना उचित नहीं है। लेबल पर दी गई जानकारी, सामग्री, प्रमाणन और निर्माण संबंधी विवरणों को पढ़ने की आदत विकसित करनी चाहिए। जागरूक उपभोक्ता ही बाजार में पारदर्शिता और गुणवत्ता को बढ़ावा दे सकता है। यदि किसी उत्पाद के दावे संदिग्ध लगते हैं, तो उसकी शिकायत संबंधित प्राधिकरण तक पहुंचाना भी उपभोक्ता का अधिकार है।

भारतीय खाद्य उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है और वैश्विक बाजार में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में गुणवत्ता, पारदर्शिता और उपभोक्ता विश्वास सबसे बड़ी आवश्यकता हैं। यदि कंपनियां नियमों का पालन करते हुए ईमानदारी से अपने उत्पाद प्रस्तुत करेंगी, तो उनकी विश्वसनीयता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता दोनों बढ़ेंगी। वहीं, नियामक संस्थाओं को भी पारदर्शी, निष्पक्ष और समयबद्ध कार्रवाई जारी रखनी होगी ताकि सभी कंपनियों के लिए समान अवसर और समान नियम सुनिश्चित हो सकें। डाबर से जुड़ा यह मामला केवल एक ब्रांड पर हुई कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे खाद्य उद्योग के लिए चेतावनी और उपभोक्ताओं के लिए आश्वासन है। यह बताता है कि खाद्य सुरक्षा से जुड़े नियम केवल कागजों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका पालन सुनिश्चित कराने के लिए प्रभावी कार्रवाई भी की जा रही है। अंततः उपभोक्ता का विश्वास ही किसी भी खाद्य ब्रांड की सबसे बड़ी पहचान होता है, और उस विश्वास की रक्षा सत्य, पारदर्शिता तथा प्रमाण आधारित दावों से ही संभव है।

दुनिया के दिग्गज जैवलिन थ्रो खिलाड़ी उतरेंगे मैदान में

डायमंड लीग में फिर उड़ेगा नीरज का भाला, नदीम और रूमेश से होगी टक्कर

यूनिक समय, नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन कर रजत पदक जीतने वाले भारत के स्टार जैवलिन थ्रो खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब अपनी अगली बड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं। नीरज 21 अगस्त को होने वाली प्रतिष्ठित लॉजेन डायमंड लीग में हिस्सा लेंगे। आयोजकों ने उनकी भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। इस प्रतियोगिता में नीरज चौथी बार मैदान में उतरेंगे और एक बार फिर दुनिया के शीर्ष भाला फेंक खिलाड़ियों से मुकाबला करेंगे। भारतीय प्रशंसकों की निगाहें इस मुकाबले पर टिकी हैं, क्योंकि यहां नीरज का सामना पाकिस्तान के अरशद नदीम और हाल ही में कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वर्ण पदक जीतने वाले श्रीलंका के रूमेश पथिरागे से होगा।

नीरज चोपड़ा का लॉजेन में शानदार रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने 2022 में 89.08 मीटर के थ्रो के साथ खिताब जीता था, जबकि 2023 में भी जीत दर्ज की। पिछले संस्करण में 89.49 मीटर का बेहतरीन प्रयास करने के बावजूद उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा था। इस बार वह एक बार फिर खिताब पर कब्जा जमाने के इरादे से उतरेंगे।

प्रतियोगिता को और रोमांचक बनाने के लिए कई दिग्गज खिलाड़ी भी मैदान में होंगे। पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम, ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के थॉमस रोहलर और जूलियन वेबर, चेक गणराज्य के जाकुब वाडलेच,

21 अगस्त को लॉजेन में होगा महामुकाबला

अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन तथा त्रिनिदाद एंड टोबैगो के केशॉर्न वॉलकॉट भी खिताब की दौड़ में शामिल रहेंगे।

नीरज इस सीजन में चोट से वापसी के बाद लगातार अपनी लय हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। दोहा डायमंड लीग में वह चौथे स्थान पर रहे थे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स में 85.83 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीतकर शानदार वापसी की। अब लॉजेन में उनकी नजर न सिर्फ खिताब जीतने पर होगी, बल्कि सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने पर भी रहेगी। ऐसे में 21 अगस्त का यह मुकाबला जैवलिन थ्रो प्रेमियों के लिए बेहद रोमांचक होने वाला है।

'शूर्पणखा' क्यों बनी रकुल प्रीत, अभिनेत्री ने खोला किरदार चुनने का राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' अपनी भव्य स्टारकास्ट और विशाल बजट के कारण लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह शूर्पणखा की भूमिका निभा रही हैं। इस किरदार को लेकर सोशल मीडिया पर कई सवाल उठ रहे थे कि आखिर उन्होंने ऐसा पात्र निभाने के लिए हामी क्यों भरी। अब अभिनेत्री ने खुद इसका जवाब देते हुए अपने फैसले की वजह साझा की है।

रकुल ने एक प्रशंसक के पत्र का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने शूर्पणखा का किरदार इसलिए चुना क्योंकि यह बेहद जटिल और बहुआयामी है। उनके अनुसार इतिहास ने शूर्पणखा को अक्सर केवल एक घटना तक सीमित कर दिया, जबकि उसके व्यक्तित्व और जीवन की कहानी इससे कहीं अधिक व्यापक है। उन्होंने कहा कि एक कलाकार के रूप में ऐसे किरदार निभाना सबसे रोमांचक होता है, जो लोगों की स्थापित सोच को चुनौती दें। रकुल ने उम्मीद जताई कि फिल्म रिलीज होने पर दर्शक खुले मन से इस पात्र को समझने की कोशिश

'रामायण' में जटिल किरदार निभाने को बताया चुनौतीपूर्ण

करेंगे। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में जारी किया गया, जिसे भारत ही नहीं बल्कि पाकिस्तान में भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। खास तौर पर रणबीर कपूर और यश की झलक को दर्शकों ने खूब सराहा है। हालांकि ट्रेलर में सनी देओल की अनुपस्थिति को लेकर कुछ प्रशंसकों ने निराशा भी जताई।

करीब चार हजार करोड़ रुपये के बजट में बन रही 'रामायण' दो भागों में रिलीज होगी। पहला भाग दिवाली 2026 और दूसरा भाग दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में आने की तैयारी में है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और अरुण गोविल राजा दशरथ की भूमिका निभाते नजर आएंगे।

रकुल प्रीत सिंह का मानना है कि शूर्पणखा का नया दृष्टिकोण दर्शकों को इस चरित्र को अलग नजरिए से देखने के लिए प्रेरित करेगा।

जब भांजी से शादी पर मचा था बवाल

विजय आनंद के फैसले से नाराज हो गए थे देव आनंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दिग्गज निर्देशक विजय आनंद अपनी कालजयी फिल्मों के साथ–साथ निजी जीवन को लेकर भी लंबे समय तक सुर्खियों में रहे। 'गाइड', 'ज्वेल थीफ' और 'तीसरी मंजिल' जैसी यादगार फिल्मों के निर्देशक विजय आनंद ने वर्ष 1978 में अपनी सगी भांजी सुषमा से विवाह कर सबको चौंका दिया था। यह फैसला उस दौर में बड़ा विवाद बन गया और परिवार के भीतर भी इसका कड़ा विरोध हुआ।

बताया जाता है कि विजय आनंद उस समय आध्यात्मिक गुरु ओशो के प्रभाव में थे।

परिवार के विरोध के बीच उन्होंने ओशो से सलाह ली और उनकी सहमति मिलने के बाद विवाह का निर्णय लिया। इस फैसले

से उनके बड़े भाई और मशहूर अभिनेता देव आनंद बेहद आहत हो गए थे।

मीडिया रिपोर्टों और देव आनंद के पूर्व सचिव के हवाले से कहा जाता है कि देव आनंद का मानना था कि विजय आनंद पूरी तरह ओशो के प्रभाव में आ चुके हैं। हालांकि दोनों भाइयों के रिश्ते पूरी तरह नहीं टूटे, लेकिन उनके बीच दूरियां जरूर आ गईं।

सुषमा, विजय आनंद से करीब 19 वर्ष छोटी थीं। सामाजिक और पारिवारिक विरोध के बावजूद दोनों ने अपना रिश्ता निभाया और 1980 में उनके बेटे वैभव आनंद का जन्म हुआ। बाद के वर्षों में विजय आनंद का ओशो से भी

ओशो की सलाह पर रचाया विवाह, परिवार ने किया विरोध

वर्षों तक चर्चा में रहा निर्देशक का निजी जीवन

मोहभंग हो गया और उन्होंने आश्रम से दूरी बना ली।

विवादों के बावजूद विजय आनंद और सुषमा का साथ उनके जीवन के अंतिम समय तक कायम रहा। 2004 में विजय आनंद के निधन के बाद भी यह अनोखा विवाह लंबे समय तक चर्चा का विषय बना रहा और हिंदी सिनेमा के सबसे विवादित रिश्तों में गिना जाता है।

दस साल बाद इमरान खान की दमदार वापसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। करीब एक दशक तक बड़े पर्दे से दूर रहने के बाद बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान अब बतौर लीड अभिनेता शानदार वापसी के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने अपने पहले ओटीटी प्रोजेक्ट का आधिकारिक ऐलान करते हुए बताया कि उनकी नई फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' जल्द ही नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। यह एक मैच्योर रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसकी शूटिंग पूरी हो चुकी है और फिलहाल पोस्ट–प्रोडक्शन का काम चल रहा है। एक बातचीत में इमरान खान ने बताया कि लगभग दस साल बाद यह उनकी पहली फिल्म है और वह इसे लेकर बेहद उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि यह कहानी उनकी मौजूदा उम्र, सोच और जीवन के अनुभवों से गहराई से जुड़ी हुई है। उनके मुताबिक, इतने वर्षों बाद वापसी के लिए उन्हें इसी तरह की परिपक्व और भावनात्मक कहानी की तलाश थी। उन्होंने कहा कि यह वही फिल्म है, जिसे वह अपने करियर के इस पड़ाव पर करना चाहते थे।

इमरान खान ने 2008 में 'जाने तू... या जाने ना' से बॉलीवुड में यादगार शुरुआत की थी। इसके बाद 'आई हेट लव स्टोरीज', 'डेली बेली', 'मेरे ब्रदर की दुल्हन' और 'मटरू की बिजली का मंडोला' जैसी फिल्मों से उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। हालांकि 2015 में रिलीज हुई 'कट्टी बट्टी' के बाद वह फिल्मों से लगभग दूर हो गए थे।

हाल के दिनों में इमरान का नाम अशनीर ग्रोवर की बायोपिक से भी जोड़ा गया था, लेकिन अभिनेता ने इन खबरों का खंडन कर दिया। अब उनके प्रशंसकों की निगाहें 'अधूरे हम अधूरे तुम' पर टिकी हैं, जिससे वह लंबे अंतराल के बाद एक बार फिर मुख्य भूमिका में दर्शकों का मनोरंजन करते नजर आएंगे।

श्रीलंका दौरे से पहले टीम इंडिया की बढ़ी टेंशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पहले ही चोट के कारण टीम से बाहर हो चुके हैं, वहीं अब युवा बल्लेबाज साई सुदर्शन की फिटनेस भी चिंता का विषय बन गई है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम की घोषणा के समय बुमराह और साई सुदर्शन, दोनों के नाम के आगे विशेष निशान लगाकर स्पष्ट किया था कि उनका चयन फिटनेस मंजूरी पर निर्भर करेगा। बुमराह पूरी तरह फिट नहीं पाए गए और उनकी जगह औकिब नबी को टीम में शामिल कर लिया गया, लेकिन साई सुदर्शन को लेकर अभी अंतिम फैसला बाकी है। सूत्रों के अनुसार साई सुदर्शन की फिटनेस पर मेडिकल टीम लगातार नजर बनाए हुए है। यदि वह पूरी तरह स्वस्थ नहीं पाए गए तो उनके श्रीलंका दौरे पर जाने की संभावना भी

कम हो सकती है। ऐसे में टीम प्रबंधन किसी तरह का जोखिम लेने के मूड में नहीं दिख रहा है।

भारत का पहला टेस्ट 15 अगस्त से खेला जाएगा, लेकिन उससे पहले 7 अगस्त से तीन दिवसीय अभ्यास मैच आयोजित होगा। माना जा रहा है कि इसी मुकाबले में साई सुदर्शन की फिटनेस और मैच तैयारियों का आकलन किया जाएगा। अगर वह पूरी तरह फिट रहे तो उन्हें अंतिम एकादश में जगह मिल सकती है, अन्यथा टीम प्रबंधन किसी अन्य विकल्प पर भरोसा जता सकता है।

हालांकि साई सुदर्शन के बाहर होने की स्थिति में भारतीय बल्लेबाजी पर बहुत बड़ा असर नहीं पड़ेगा, क्योंकि टीम में देवदत्त पडिक्कल जैसे विकल्प मौजूद हैं, जो शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने का अनुभव रखते हैं। कप्तान शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम में केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल,

बुमराह के बाद साई सुदर्शन पर भी संकट

स्टार बल्लेबाज की फिटनेस पर संशय बरकरार

7 अगस्त के अभ्यास मैच के बाद होगा अंतिम फैसला

ऋषभ पंत, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

अब सभी की निगाहें बीसीसीआई के अगले मेडिकल अपडेट और 7 अगस्त से शुरू होने वाले अभ्यास मैच पर टिकी हैं, जहां साई सुदर्शन के भविष्य पर अंतिम तस्वीर साफ हो सकती है।

दंपति समेत तीन लोगों के शव मिलने से मची सनसनी

फोरेंसिक जांच शुरू हत्या की वजह तलाश रही पुलिस

यूनिक समय, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के शाहगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। एक किराये के मकान में मूकबधिर दंपति समेत तीन लोगों के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस, फोरेंसिक टीम और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा घटनास्थल को घेरकर साक्ष्य जुटाने शुरू कर दिए। प्रारंभिक जांच में यह मामला हत्या का माना जा रहा है।

पुलिस के अनुसार मृतकों में एक पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। इनमें पति-पत्नी होने की पुष्टि हुई है, जबकि तीसरे मृतक की पहचान और संबंधों की जानकारी जुटाई जा रही है। तीनों लंबे समय से किराये के मकान में रह रहे थे। स्थानीय लोगों ने जब काफी देर तक कोई हलचल नहीं देखी तो पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद दरवाजा खोलकर अंदर देखा गया तो तीनों मृत मिले। प्रारंभिक जांच में पुरुष के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। वहीं दोनों महिलाओं के शरीर पर बाहरी चोटें स्पष्ट रूप से नहीं मिलीं। पुलिस को कमरे से शराब की बोतलें और अन्य सामान भी मिला है, जिन्हें जांच के लिए कब्जे में ले लिया गया है। फोरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल से नमूने एकत्र कर वैज्ञानिक जांच शुरू कर दी है।

सहायक पुलिस आयुक्त रवि गुप्ता ने बताया कि हत्या के कारणों का अभी खुलासा नहीं हुआ है। पुलिस आपसी विवाद, पुरानी रंजिश और अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और पड़ोसियों से भी पूछताछ की जा रही है।

शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद मौत की वास्तविक वजह तथा हत्या का तरीका स्पष्ट हो सकेगा। इस तिहरे हत्याकांड के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है, जबकि पुलिस जल्द आरोपियों तक पहुंचने का दावा कर रही है।

ताजमहल ड्यूटी पर एएसआई कर्मचारी की अचानक हुई मौत

ड्यूटी जाते समय बिगड़ी तबीयत अस्पताल में मृत घोषित

इलाज में लापरवाही का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा

यूनिक समय, आगरा। विश्व धरोहर ताजमहल में ड्यूटी के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के एक कर्मचारी की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह ताजमहल के पश्चिमी गेट के पास हुई, जहां ड्यूटी के लिए पहुंचे कर्मचारी अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल उन्हें अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद अस्पताल परिसर में परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया।

मृतक की पहचान सिकंदरा निवासी कैलाश (54) के रूप में हुई है, जो भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण में मल्टी टास्किंग स्टाफ (एमटीएस) के पद पर कार्यरत थे। मंगलवार सुबह वह रोज की तरह साइकिल से ताजमहल ड्यूटी के लिए पहुंचे थे। पश्चिमी गेट पार्किंग में साइकिल खड़ी करने के बाद जैसे ही परिसर की ओर बढ़े, उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह जमीन पर गिर पड़े। घटना देखते ही सीआईएसएफ, एएसआई और अन्य सुरक्षा कर्मियों ने तत्काल प्राथमिक सहायता दी और एंबुलेंस से उन्हें शांति मांगलिक अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक चिकित्सकीय अनुमान के अनुसार उनकी मौत का कारण हार्ट अटैक माना जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और आरोप लगाया कि डॉक्टरों ने समय पर उपचार शुरू नहीं किया। उनका कहना था कि यदि तत्काल इलाज मिलता तो कैलाश की जान बच सकती थी। इस आरोप को लेकर अस्पताल परिसर में कुछ देर तक हंगामा हुआ।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर स्थिति शांत कराई। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं एएसआई और प्रशासन की ओर से भी पूरे मामले की जानकारी जुटाई जा रही है।

यूपी में 13 वरिष्ठ आईएएस अफसरों के हुए तबादले

कई मंडलायुक्तों समेत विभागाध्यक्षों को मिली नई जिम्मेदारी

प्रशासनिक व्यवस्था मजबूत करने को बड़ा फेरबदल किया गया

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए 13 वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। शासन की ओर से जारी आदेश के अनुसार कई मंडलों के मंडलायुक्त, विभागीय सचिव, विकास प्राधिकरणों और सरकारी निगमों के वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाना बताया गया है।

तबादलों के तहत अनिल ढींगरा को उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद का आवास आयुक्त बनाया गया है। उन्हें निदेशक नगर भूमि सीमारोपण तथा सचिव, आवास एवं शहरी नियोजन विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। इंद्र विक्रम सिंह को गोरखपुर, वैभव श्रीवास्तव को बस्ती, डॉ. लोकेश एम. को प्रयागराज तथा शुभम कुमार को बरेली मंडल का नया मंडलायुक्त नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा प्रकाश बिंदु को पीसीडीएफ का प्रबंध निदेशक, सौम्या अग्रवाल को श्रमायुक्त, संदीप कुमार को पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड का प्रबंध निदेशक तथा डॉ. बलकार सिंह को यूपीएसआईडीए का मुख्य कार्यपालक अधिकारी बनाया गया है। शासन ने भूपेंद्र एस. चौधरी को प्रशासनिक सुधार विभाग का सचिव, पुष्प राज सिंह को नोएडा का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी और सतीश पाल को गृह विभाग में विशेष सचिव नियुक्त किया है। वहीं रविन्द्र को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। यह फेरबदल प्रदेश में प्रशासनिक कार्यों को और अधिक गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मेरठ में कांवड़ियों के दो गुटों में हुई हिंसक झड़प

यूनिक समय, मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में कांवड़ यात्रा के दौरान दो कांवड़िया गुटों के बीच हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सड़क किनारे रखी कांवड़ को एक बाइक की टक्कर लगने से कांवड़ खंडित हो गई, जिसके बाद दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हुई और देखते ही देखते मारपीट होने लगी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थिति संभालने का प्रयास किया, लेकिन इस दौरान एक सिपाही भी घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार बाइक सवार सोनू और उसका साथी हरिद्वार से जल लेने जा रहे थे। उनकी बाइक की टक्कर से कांवड़ क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस जब दोनों युवकों को जीप में बैठाकर थाने ले जा रही थी, तभी कुछ कांवड़ियों ने उन्हें घेर लिया और वाहन से खींचकर मारपीट शुरू कर दी। बीच-बचाव में एक हेड कांस्टेबल के हाथ, कंधे और चेहरे पर चोटें आईं। घायल सिपाही का उपचार कराया गया है।

एसएसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि वायरल वीडियो में पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट का दावा भ्रामक है। वीडियो में हमला बाइक सवार युवकों पर किया गया था।

कांवड़ खंडित होने पर सड़क पर जमकर मचा बवाल

बीच-बचाव में सिपाही घायल आरोपियों पर केस दर्ज

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर बाइक जब्त कर ली है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

उधर, सोमवार को गाजियाबाद में कांवड़ खंडित होने पर श्रद्धालुओं ने सड़क जाम कर दिया था, जबकि लखनऊ में स्कूल वैन में तोड़फोड़ की घटना भी सामने आई थी। लगातार सामने आ रही घटनाओं के बाद कांवड़ यात्रा मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था और पुलिस निगरानी बढ़ा दी गई है।

आगरा में स्टेडियम के कोच पर खिलाड़ी ने लगाए गंभीर आरोप

यौन उत्पीड़न के प्रयास का मुकदमा की जांच शुरू

कोच ने आरोपों को साजिश बताते हुए किया खारिज

यूनिक समय, आगरा। आगरा के एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिम्नास्टिक कोच पर एक खिलाड़ी द्वारा यौन उत्पीड़न के प्रयास का गंभीर आरोप लगाए जाने के बाद मामला चर्चा में है। पीड़ित खिलाड़ी के परिजनों की शिकायत पर थाना सदर में एफआईआर दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वहीं आरोपी कोच ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए इसे स्टेडियम की अंदरूनी राजनीति और साजिश करार दिया है।

शिकायत के अनुसार 18 वर्षीय खिलाड़ी ने आरोप लगाया कि 22 जुलाई को कोच ने उसे अभ्यास के लिए जल्दी बुलाया और शौचालय में ले जाकर अप्राकृतिक कृत्य का प्रयास किया। खिलाड़ी का कहना है कि अन्य खिलाड़ियों के वहां पहुंचने पर वह किसी तरह मौके से निकल गया। आरोप है कि बाद में घटना की जानकारी किसी को देने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई।

पीड़ित के चाचा ने बताया कि घटना के बाद खिलाड़ी मानसिक रूप से परेशान रहने लगा था। कई दिनों तक

उसने किसी को घटना की जानकारी नहीं दी। परिवार को पूरी बात बताने के बाद 2 अगस्त को थाना सदर में मामला दर्ज कराया गया।

दूसरी ओर आरोपी कोच जावेद ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उन्हें पद से हटाने के उद्देश्य से झूठा मुकदमा दर्ज कराया गया है।

उन्होंने दावा किया कि पहले भी उनके खिलाफ कई शिकायतें हुईं, लेकिन हर जांच में वे निर्दोष पाए गए। उनका कहना है कि स्टेडियम में कोच की नियुक्ति को लेकर कुछ लोगों के बीच विवाद चल रहा है और उसी के चलते उन्हें फंसाने की कोशिश की जा रही है।

एसीपी सदर राम प्रवेश गुप्ता ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। मेडिकल जांच में अप्राकृतिक कृत्य के प्रयास की पुष्टि नहीं हुई है और जिस स्थान पर घटना होने का दावा किया गया है, वहां सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगे हैं। पुलिस सभी पक्षों के बयान, उपलब्ध साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कर रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा में हंगामे के बीच अनुपूरक बजट पेश

राम मंदिर मुद्दे पर सदन में तीखी नोक-झोंक

मुख्यमंत्री बोले, विपक्ष का आचरण सनातन विरोधी रहा हमेशा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन सदन में जोरदार राजनीतिक टकराव देखने को मिला। समाजवादी पार्टी के विधायकों ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर तत्काल चर्चा की मांग करते हुए नारेबाजी और हंगामा किया। विपक्ष के विरोध के बीच संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने वर्ष 2026-27 के लिए 59,019.54 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट सदन में पेश किया। बजट में ऊर्जा, ग्रामीण विकास, आधारभूत ढांचे, चिकित्सा, समाज कल्याण और कृषि क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त धनराशि का प्रावधान किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सदन में विपक्ष के हंगामे पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चर्चा के लिए पर्याप्त अवसर दिए गए थे, लेकिन विपक्ष ने संवैधानिक परंपराओं का सम्मान करने के बजाय व्यवधान पैदा करना चुना। उन्होंने इस आचरण को लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत बताया।

सदन के बाहर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने राम मंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण पर कहा कि मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की गई है और कैमरों में दिखाई देने वाले आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई जारी है। उन्होंने कहा कि अब तक की जांच में किसी साधु-संत की संलिप्तता सामने नहीं आई है, इसलिए पूरे संत समाज पर आरोप लगाना अनुचित है।

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ दल लगातार भगवान राम, रामजन्मभूमि और सनातन परंपरा को लेकर भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष प्रदेश की सकारात्मक छवि और धार्मिक पर्यटन को नुकसान पहुंचाने की राजनीति कर रहा है।

वहीं, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सदन में हंगामा और पोस्टरबाजी पर नाराजगी जताते हुए एक सपा विधायक को बाहर जाने के निर्देश दिए और अनुशासनहीनता दोहराने पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

फुकेत-दिल्ली उड़ान में टर्बुलेंस सुरक्षित उतरा एयर इंडिया का विमान

हवा के तेज झटकों से यात्री घबराए, अफरा तफरी मची

कई यात्रियों को आई मामूली चोटें

घायलों का कराया गया चिकित्सीय परीक्षण

यूनिक समय, नई दिल्ली। थाईलैंड के फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान एआई-2379 मंगलवार को उड़ान के दौरान अचानक तेज टर्बुलेंस की चपेट में आ गई। हवा के तेज झटकों के कारण विमान कुछ समय के लिए अस्थिर हो गया, जिससे यात्रियों और चालक दल के सदस्यों में अफरातफरी मच गई। हालांकि पायलट ने स्थिति पर तुरंत नियंत्रण पाया और विमान को सुरक्षित रूप से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतार दिया।

एअर इंडिया के अनुसार, घटना के दौरान विमान की ऊंचाई में कुछ समय के लिए बदलाव आया, लेकिन उड़ान की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं हुआ। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित विमान से बाहर निकल गए। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है, हालांकि कुछ यात्रियों और क्रू सदस्यों को हल्की चोटें आईं।

दिल्ली पहुंचने के बाद एहतियात के तौर पर घायल यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को हवाई अड्डे के चिकित्सा केंद्र भेजा गया, जहां उनका स्वास्थ्य परीक्षण और आवश्यक उपचार किया गया। एयरपोर्ट पर मौजूद मेडिकल टीम और एअर इंडिया के कर्मचारियों ने प्रभावित यात्रियों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई।

एअर इंडिया ने बयान जारी कर कहा कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। कंपनी प्रभावित लोगों को हर जरूरी सहायता प्रदान कर रही है और पूरे घटनाक्रम की जांच में संबंधित विमानन अधिकारियों के साथ सहयोग कर रही है।

विमानन विशेषज्ञों के अनुसार, मानसून के दौरान वायुमंडलीय अस्थिरता के कारण टर्बुलेंस की घटनाएं बढ़ जाती हैं। ऐसे समय यात्रियों को सीट बेल्ट बांधकर रखने और चालक दल के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जाती है। इस घटना में समय रहते नियंत्रण बनाए रखने से संभावित बड़ा हादसा टल गया।

पीएम मोदी का वीडियो हटाना मेटा को पड़ा भारी

ग्लोबल टीम को भारत बुलाकर मांगा स्पष्टीकरण

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फेसबुक वीडियो हटाए जाने के मामले में केंद्र सरकार ने मेटा के प्रति सख्त रुख अपनाया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कंपनी की वैश्विक टीम को 5 और 6 अगस्त को भारत बुलाकर पूरे घटनाक्रम पर विस्तृत स्पष्टीकरण देने के लिए कहा है। सरकार का कहना है कि बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्मों को अपने तकनीकी सिस्टम की विश्वसनीयता और जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए।

इससे पहले संसद की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति की बैठक में भी यह मामला उठा। मेटा ने स्वीकार किया कि तकनीकी त्रुटि के कारण प्रधानमंत्री का वीडियो हट गया था और बाद में उसे बहाल कर दिया गया। कंपनी ने इसके लिए माफी भी मांगी।

समिति के अध्यक्ष एवं भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि केवल माफी पर्याप्त नहीं है और जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि डिजिटल मंच अपनी जिम्मेदारियों का पालन नहीं करते हैं, तो उन्हें मिलने वाली 'सेफ हार्बर' कानूनी सुरक्षा की समीक्षा की जा सकती है।

आसाराम को तेरह साल बाद मिली बीस दिन की पैरोल

राजस्थान हाईकोर्ट ने सशर्त रिहाई को दी मंजूरी

यूनिक समय, नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से 13 वर्ष बाद पहली बार 20 दिन की पैरोल मिल गई है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायाधीश संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने सशर्त रिहाई की अनुमति देते हुए कहा कि राज्य सरकार की ओर से जताई गई आशंकाओं के समर्थन में पर्याप्त आधार रिकॉर्ड पर नहीं हैं।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने पैरोल का विरोध करते हुए फरार होने, शिकायतकर्ता पक्ष की सुरक्षा और अन्य मामलों का हवाला दिया था। हालांकि अदालत ने कहा कि लंबे कारावास के दौरान मिली अंतरिम जमानत का आसाराम ने कभी दुरुपयोग नहीं किया और न ही गवाहों को प्रभावित करने जैसी कोई घटना सामने आई।

अदालत ने 50 हजार रुपये के निजी मुचलके और 25-25 हजार रुपये के दो जमानतदारों की शर्त पर 20 दिन की पैरोल मंजूर की है। निर्धारित अवधि पूरी होने के बाद उन्हें नियमानुसार दोबारा जेल में उपस्थित होना होगा।

सीआरपीएफ कैंप में फायरिंग तीन जवानों की गई जान

असम के नागांव स्थित कैंप में हुई दर्दनाक घटना

दो साथियों को गोली मार खुद भी दी जान

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम के नागांव जिले स्थित सीआरपीएफ की 34वीं बटालियन के कैंप में मंगलवार सुबह हुई गोलीबारी की घटना से हड़कंप मच गया। पुलिस के अनुसार, मुख्य गेट पर ड्यूटी पर तैनात एक सीआरपीएफ एएसआई ने कथित तौर पर अपने दो साथियों पर गोली चला दी, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में एक अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के बाद आरोपी एएसआई ने कथित तौर पर खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सुबह करीब सात बजे कटिमारी स्थित कैंप में हुई। घटना की सूचना मिलते ही सीआरपीएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई। प्रारंभिक जांच में गोलीबारी के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटना के बाद कैंप की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

तृषा टिप्पणी विवाद में उदयनिधि स्टालिन गिरफ्तार, सियासत गरमाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। अभिनेत्री तृषा पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर तमिलनाडु की राजनीति में नया विवाद खड़ा हो गया है। डीएमके नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को चेन्नई पुलिस ने उनके आवास से हिरासत में लेने के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, उनके खिलाफ अभिनेत्री तृषा और मुख्यमंत्री विजय को लेकर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

गिरफ्तारी से पहले उदयनिधि के आवास के बाहर सुरक्षा कड़ी कर दी गई थी। इस दौरान बड़ी संख्या में डीएमके समर्थक मौके पर पहुंच गए और पुलिस कार्रवाई के विरोध में नारेबाजी की। कुछ स्थानों पर सड़क जाम की स्थिति भी बनी, जिसे पुलिस ने नियंत्रित किया।

यह विवाद कावेरी जल मुद्दे पर आयोजित एक जनसभा के दौरान दिए गए भाषण के बाद शुरू हुआ। विपक्षी दलों और अन्य राजनीतिक संगठनों ने बयान की कड़ी आलोचना करते हुए कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पद्मश्री डीवाई पाटिल का निधन, शिक्षा जगत में शोक

पूर्व राज्यपाल ने 90 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

यूनिक समय, नई दिल्ली। पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात शिक्षाविद, समाजसेवी और पूर्व राज्यपाल डॉ. ज्ञानदेव यशवंतराव (डी.वाई.) पाटिल का 90 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने कोल्हापुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। डॉ. पाटिल बिहार, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रह चुके थे तथा देशभर में शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। डी.वाई. पाटिल ग्रुप के संस्थापक के रूप में उन्होंने 182 से अधिक शिक्षण संस्थानों, सात विश्वविद्यालयों और कई चिकित्सा संस्थानों की स्थापना की। उनका अंतिम दर्शन बुधवार को कराया जाएगा, जिसके बाद कोल्हापुर में अंतिम संस्कार होगा। राजनीति में सक्रिय रहने के साथ उन्होंने शिक्षा को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान चलाया। उनके निधन पर शिक्षा, सामाजिक और राजनीतिक जगत में शोक की लहर है।

ई-20 विरोध मार्च में अरविंद केजरीवाल को पुलिस ने रोका

पीएम आवास कूच से पहले सड़क पर दिया धरना

ई-20 नीति वापस लेने की मांग पर प्रदर्शन तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। ई-20 पेट्रोल नीति के विरोध में मंगलवार को आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च निकाला। हालांकि, पुलिस ने फिरोजशाह कोटला रोड पर उनका काफिला रोक दिया। इसके बाद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह और अन्य नेता सड़क पर ही धरने पर बैठ गए तथा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

मार्च से पहले केजरीवाल ने दावा किया कि वह प्रधानमंत्री को दो लाख से अधिक लोगों के हस्ताक्षरयुक्त पत्र सौंपने जा रहे हैं। उन्होंने मांग की कि पेट्रोल पंपों पर ई20 और सामान्य पेट्रोल दोनों का विकल्प उपलब्ध कराया जाए, ई20 पेट्रोल सस्ता किया जाए, तथा पेट्रोल की कीमत कम की जाए। वहीं, केंद्र सरकार ने दोहराया कि इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल नीति वैज्ञानिक परीक्षण और विशेषज्ञ संस्थाओं की सलाह के आधार पर चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही है।

बांकीपुर जीत के बाद प्रशांत किशोर ने भाजपा को चेताया

विकास और रोजगार के मुद्दों पर सरकार को घेरा

जदयू ने हार पर एनडीए को दिया आत्ममंथन का सुझाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार के बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में शानदार जीत दर्ज करने के बाद जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तीखा राजनीतिक हमला बोला। उन्होंने कहा कि बिहार को ऐसे नेतृत्व की जरूरत है जो शिक्षा, रोजगार और पलायन जैसी मूल समस्याओं पर प्रभावी ढंग से काम करे। उन्होंने दावा किया कि बांकीपुर का जनादेश राज्य की राजनीति के लिए बड़ा संदेश है और जनता बदलाव चाहती है।

प्रशांत किशोर ने भाजपा नेतृत्व पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी को बिहार में बेहतर नेतृत्व सामने लाना चाहिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि राज्य के विकास और युवाओं के भविष्य को नई दिशा देना है।

उधर, भाजपा की हार पर जदयू नेता श्याम रजक ने एनडीए को आत्ममंथन की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बांकीपुर जैसे मजबूत गढ़ में मिली हार गंभीर संकेत है। रजक के अनुसार कार्यकर्ताओं की उपेक्षा और संगठनात्मक कमजोरियां इस परिणाम के प्रमुख कारणों में शामिल रहीं।

संभव दिवस पर नगर निगम की सख्ती नगर आयुक्त खुद पहुंचे वार्ड में

जनसुनवाई में आई 15 शिकायतें, कई का मौके पर निस्तारण

भूतेश्वर, सिटी और वृंदावन जोन में हुई जनसुनवाई

वार्ड 54 में जनसुनवाई करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। नगर विकास मंत्री की पहल पर प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाले 'संभव' (संतुष्टि एवं समृद्धि) दिवस के तहत नगर निगम मथुरा–वृंदावन में जन शिकायतों के शीघ्र निस्तारण के लिए व्यापक जनसुनवाई आयोजित की गई। भूतेश्वर स्थित नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने स्वयं फरियादियों की समस्याएं सुनीं, जबकि सिटी जोन में अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार और वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक ने जनसुनवाई की। तीनों स्थानों पर नगर निगम के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे और शिकायतों के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए।

भूतेश्वर जोन में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें चार विद्युत, पांच सफाई, एक टैक्स और एक जल विभाग से संबंधित थी। इनमें से एक लाइट, एक सफाई और एक जलभराव की शिकायत का निस्तारण करा दिया गया। सिटी जोन में सफाई और जलकल विभाग से संबंधित दो शिकायतें मिलीं, जबकि वृंदावन जोन में सड़क मरम्मत से जुड़ी दो शिकायतें दर्ज की गईं। नगर आयुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि शेष शिकायतों का निर्धारित समय में निस्तारण किए जाए। साथ ही 'संभव' दिवस पर पेयजल शिकायत पर नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने वार्ड संख्या 54, प्रताप नगर का स्वयं निरीक्षण किया। महोली रोड स्थित बजरंग चौराहे पर स्थानीय पार्षद ठाकुर तेजवीर सिंह और क्षेत्रवासियों से बातचीत कर उन्होंने जलापूर्ति की समस्या की जानकारी ली। निरीक्षण के बाद महाप्रबंधक (जल) को पूरे क्षेत्र का सर्वे कराने, जरूरत के अनुसार जलापूर्ति मोटर की क्षमता बढ़ाने तथा आवश्यक स्थानों पर नई पाइपलाइन बिछाने की कार्ययोजना तैयार कर शीघ्र अमल करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने कहा कि वार्ड के अंतिम छोर तक निर्बाध और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाए और किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। जनसुनवाई एवं निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, महाप्रबंधक (जल) मोहम्मद अनवर ख्वाजा, मुख्य अभियंता निर्माण संजय सिंह, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र यादव, अवर अभियंता प्रतिभा ओझा सहित नगर निगम के अधिकारी और क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

किरावली में महाराजा सूरजमल की प्रतिमा स्थापना से बढ़ी हलचल

कपड़े से ढकी महाराजा सूरजमल की प्रतिमा।

यूनिक समय, आगरा। नगर पंचायत किरावली के पुराने चौराहे पर महाराजा सूरजमल की प्रतिमा स्थापित किए जाने के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज है। चेयरमैन प्रतिनिधि अभिजीत सिंह इंदौलिया ने अपने निजी खर्च पर समर्थकों के साथ प्रतिमा स्थापित कराई। प्रतिमा लगाए जाने के बाद बिना अनुमति स्थापना को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई, वहीं प्रतिमा हटाए जाने की चर्चा फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। कई लोग पूरी रात प्रतिमा स्थल पर डटे रहे और इसे नहीं हटाने की मांग करते रहे।

शनिवार सुबह होते ही प्रतिमा स्थल पर लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। विभिन्न सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर महाराजा सूरजमल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और समर्थन जताया। इस घटनाक्रम की चर्चा उत्तर प्रदेश के साथ राजस्थान के कई जिलों तक पहुंची। लोगों ने इसे सामाजिक सम्मान और ऐतिहासिक विरासत से जुड़ा विषय बताया।

घटनाक्रम की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सक्रिय रहा। इसी बीच थाना किरावली के प्रभारी निरीक्षक सत्यवीर सिंह का तबादला कर दिया गया और मदन सिंह ने नए थाना प्रभारी के रूप में कार्यभार संभाल लिया। पुलिस ने क्षेत्र में शांति और कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए निगरानी बढ़ा दी।

रविवार शाम चेयरमैन प्रतिनिधि अभिजीत सिंह इंदौलिया ने प्रतिमा को कपड़े से ढकवा दिया। उन्होंने बताया कि फिलहाल केवल स्थापना की गई है, जबकि विधिवत अनावरण बाद में सर्वसमाज की उपस्थिति में किया जाएगा। इसके लिए अलग से तिथि घोषित की जाएगी। अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रस्तावित अनावरण समारोह पर टिकी हैं।

अबेकस ओलंपियाड मानसून सेशन में छात्राओं ने किया शानदार प्रदर्शन

रतन लाल फूल कटोरी देवी सीनियर सेकेंडरी की छात्राओं का सम्मान करते स्कूल प्रबंधन ।

यूनिक समय,मथुरा। रतन लाल फूल कटोरी देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने दिल्ली में आयोजित अबेकस ओलंपियाड मानसून सेशन 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय ही नहीं, जिले का नाम एक बार फिर रोशन किया है। प्रतियोगिता में विद्यालय की 27 छात्राओं ने भाग लिया। जिसमें से 11 छात्राओं को प्रथम उपविजेता, पांच छात्राएं द्वितीय उपविजेता रहीं, वहीं 11 छात्राओं को अबेकस चैंपियन अवार्ड से नवाजा गया। प्रतियोगिता में विभिन्न स्तरों पर छात्राओं ने मानसिक गणना, गति और शुद्धता का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। विद्यालय की इन छात्रों की उपलब्धि पर विद्यालय अध्यक्ष कन्हैया सिंघल, कोषाध्यक्ष मीनल अग्रवाल, प्रबंधक डॉ.अनुज विजय, प्रधानाचार्य डॉ. नीता सिंह और स्किल डेवलपमेंट इंचार्ज श्वेता खंडेलवाल ने सभी छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सौरभ चतुर्वेदी ने विजयी छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलटा ट्रक चालक–परिचालक घायल

यूनिक समय, मथुरा। आगरा–दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर थाना हाईवे क्षेत्र के नवादा के समीप सोमवार देर रात एक सड़क हादसा हो गया। दिल्ली से आगरा की ओर जा रहा पंजाब नंबर का गत्ता लदा 18 टायरा ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया। हादसे में चालक और परिचालक घायल हो गए, जिन्हें पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक तेज गति से चल रहा था। नियंत्रण बिगड़ने पर वह डिवाइडर से टकराया और रेलिंग तोड़ते हुए सड़क पर पलट गया। हादसे के समय ट्रक के केबिन में चालक और परिचालक फंस गए थे। सूचना मिलते ही थाना हाईवे पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों के सहयोग से रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों को बाहर निकाला। दुर्घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया, वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन मंगवाकर पलटे ट्रक को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात धीरे–धीरे सामान्य हो सका। राहत की बात यह रही कि हादसे में कोई अन्य वाहन या राहगीर इसकी चपेट में नहीं आया। थाना प्रभारी प्रशांत कुमार कपिल ने बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस ने ट्रक हटवाकर यातायात सुचारु करा दिया है, जबकि घायल चालक और परिचालक का अस्पताल में उपचार जारी है।

छुरी के साथ गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। कोतवाली पुलिस ने मोती मंजिल के सामने गली से अभियुक्त दीपक निवासी मकान नंबर बी–135 गली नंबर एक आंबेडकर कॉलोनी छत्तरपुर पहाड़ी थाना महरोली साउथ को एक छुरी रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

विश्राम घाट पर यमुना की सफाई तेज मशीन से निकाला गया कूड़ा–घास

यमुना में बह रहे कूड़े और जलकुंभी की सफाई करती मशीन।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम द्वारा विश्राम घाट पर यमुना नदी की सफाई के लिए अभियान चलाया गया। अभियान के तहत आधुनिक सफाई मशीन की मदद से यमुना में बहकर आए कूड़े–कचरे, जलकुंभी और घास–फूस को बाहर निकाला गया। मंगलवार सुबह से ही मशीन लगातार यमुना की सतह पर तैर रहे कचरे को निकाला गया।

स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने कहा कि नियमित सफाई से यमुना का स्वरूप अच्छा होगा और घाटों की स्वच्छता भी बनी रहेगी।

सजे आकर्षक स्टॉल, महिला उद्यमियों को मिला मंच

एसडीटीटी वोकेशनल इंस्टीट्यूट भूतेश्वर में मंगलवार से तीन दिवसीय राखी–जन्माष्टमी प्रदर्शनी पर स्वागत करतीं आयोजक।

यूनिक समय, मथुरा। एसडीटीटी वोकेशनल इंस्टीट्यूट भूतेश्वर में मंगलवार से तीन दिवसीय राखी-जन्माष्टमी प्रदर्शनी का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। कंकाली मंदिर के सामने आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन समाजसेवी रविकांत गहल, चीनू जैन, भावना शर्मा, एडवोकेट अनीता चावला, निधि शर्मा, रूमा चक्रवर्ती सहित अन्य अतिथियों ने किया। उद्घाटन के दौरान आयोजकों ने महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने पर जोर दिया। चार से छह अगस्त तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में विभिन्न शहरों से आई महिला उद्यमियों ने अपने स्टॉल लगाए हैं। यहां रक्षाबंधन और जन्माष्टमी से जुड़ी आकर्षक राखियां, गिफ्ट हैंपर्स, ठाकुरजी के मनमोहक श्रृंगार, महिलाओं और बेटियों के लिए नवीनतम परिधान, फैशन और लाइफस्टाइल उत्पाद, आभूषण, होम डेकोर, हस्तनिर्मित वस्तुओं की विस्तृत श्रृंखला लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। त्योहारों की खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शनी का रुख कर रहे हैं।

आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य महिला उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विपणन का बेहतर मंच उपलब्ध कराना है, ताकि उन्हें आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिल सके। साथ ही स्थानीय लोगों को एक ही स्थान पर त्योहारों से जुड़ी गुणवत्तापूर्ण खरीदारी की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से शाम 8 बजे तक खुली रहेगी। आयोजकों ने शहरवासियों से परिवार सहित प्रदर्शनी में पहुंचकर महिला उद्यमियों का उत्साहवर्धन करने और त्योहारों की खरीदारी का लाभ उठाने की अपील की है।

जन्म के एक घंटे में शिशु को पिलाएं मां का पहला दूध:डॉ. वर्तिका

यूनिक समय, मथुरा। विश्व स्तनपान सप्ताह के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग और रोटरी क्लब मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को आईएमए सभागार में जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने नवजात शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी।

फोगसी सदस्य डॉ. वर्तिका किशोर ने बताया कि इस वर्ष की थीम जीवन की स्थायी शुरुआत के लिए स्तनपान- जो कारगर है उसे मजबूत करें, है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश सिंह ने कहा कि मां का दूध शिशु का सर्वोत्तम और संपूर्ण आहार है और इससे डायरिया, निमोनिया और संक्रमण जैसी बीमारियों से बचाव होता है।

डॉ. दीपशिखा ने कहा कि जन्म के एक घंटे के भीतर नवजात को मां का पहला पीला गाढ़ा दूध (कोलोस्ट्रम) अवश्य पिलाना चाहिए, क्योंकि इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। उन्होंने छह माह तक केवल मां का दूध ही पिलाने की सलाह दी। कार्यक्रम में एचपीवी टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर भी जागरूकता दी गई। चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों और रोटरी क्लब के पदाधिकारियों ने स्तनपान को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की संयुक्त अध्यक्षता जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. रोहिताश सिंह, नीरव निमेश पीडीजी रोटरी, आशुतोष कुमार ईडीएस रोटरी, आईएमए अध्यक्ष डॉ. बीएस गोयल ने की। कार्यक्रम में डॉ. नीरजा गोयल, डॉ. शेफाली, डॉ. शुभदा, डॉ. बर्षा तिवारी, डॉ. पवन अग्रवाल, जिला मातृ स्वास्थ्य सलाहकार मुकेश गौतम, जिला नगरीय स्वास्थ्य समन्वयक फौजिया खानम, पीएसआई इंडिया से अजय कुमार,चोबसिंह सहित समस्त बीसीपीएम, स्टाफ नर्स, एएनएम और आशा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।